जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 307 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 30 मई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

‘पाकिस्तान की सेना सुनियोजित तरीके से प्रजातंत्र को खत्म कर रही है’

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो जेल में हैं, ने एक वक्तव्य जारी करके यह कहा है कि “पाकिस्तान की सेना ने चुनाव जीत कर आयी सरकारों को केवल एक “रबड़-स्टाम्प” संस्थान बना दिया है, जिसे वे “रिमोट कंट्रोल” से चलाते हैं”

- यह एक अजीबोगरीब बात है कि 2018 के आम चुनाव में इमरान खान को पाकिस्तान में चहेता उम्मीदवार माना जाता था और वे चुनाव जीते तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने थे, सेना की पूरी मदद से।
- पर, 2022 तक इमरान खान व सेना के रिश्ते खट्टे हो चुके थे, विदेश नीति व सेना के उच्च अफसरों की नियुक्ति के सवाल पर तथा इमरान का खुला आरोप है कि सेना ने प्रायोजित अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उनको हटवा दिया था।
- इमरान खान इसी लय में यह साफ कह रहे हैं कि पाकिस्तान में सच्चा प्रजातंत्र तभी संभव है, जब सेना “बैरैक्स” में लौट जाए और अपनी भूमिका संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं तक ही सीमित रखे।
- इमरान खान का यह “हृदय परिवर्तन” कैसे हुआ और क्यों हुआ?
- इमरान खान पहले तो सेना की मदद से प्र.मंत्री बने थे और अब सेना की भूमिका को ही बदलना चाहते हैं।
- पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक स्थिति का गहराई से विश्लेषण करने वाले प्रतिष्ठित विचारक के अनुसार, पहले तो इमरान खान ने सेना को मजबूत किया व सेना की भूमिका का पूर्ण समर्थन किया और पाकिस्तान की राजनीति में सेना को पैर जमाने का पूरा मौका दिया और अब वे पूर्णतया सेना की भूमिका को पाकिस्तान की गड़बड़ स्थिति के लिए जिम्मेवार ठहराना चाहते हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो वर्तमान में जेल में हैं और जिनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा हुआ है, ने एक बार फिर देश की सर्वशक्तिमान सैन्य व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना पर “व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को नष्ट करने” और “राजनीतिक व्यवस्था को अपने हितों के लिए हाइजैक करने” का आरोप लगाया है।

अपने नवीनतम बयान, जो उनकी कानूनी टीम के माध्यम से जारी किया गया और पाकिस्तानी तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ हिस्सों में प्रकाशित हुआ है, में खान ने आरोप लगाया कि सेना, खासकर रावलपिंडी में तैनात शीर्ष नेतृत्व, ने “निर्वाचित सरकारों को महज रबर स्टैम्प बना दिया है” और पाकिस्तान के लोकतंत्र को “एक नियंत्रित शासन में बदल दिया है, जो रिमोट कंट्रोल से चलाया जा रहा है।”

विडम्बना है कि कभी इमरान को सेना का पसंदीदा उम्मीदवार माना जाता था, विशेष रूप से 2018 के विवादास्पद आम चुनाव में, जिसमें उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को सत्ता मिली थी।

2022 में विदेश नीति और सैन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाभियोग चलेगा जस्टिस वर्मा पर?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवंत वर्मा पर जल्द ही महाभियोग की तलवार लटक सकती है। महाभियोग संसद में लाया जाएगा, जो किसी मौजूदा न्यायाधीश को हटाने का एकमात्र उपाय है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एक गोपनीय जाँच रिपोर्ट, जिसे इंडिया टुडे ने खोज निकाला है, में न्यायाधीश के घर के अंदर जली हुई नकदी के ढेर पर कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं मिला है। गलत आचरण के गंभीर आरोपों, संदिग्ध आग लगने के दौरान देर रात के फोन और दिल्ली पुलिस द्वारा कानूनी अड़चनें बताए जाने के साथ, अब केन्द्र और संसद पर दबाव है।

- सुप्रीम कोर्ट की गोपनीय जाँच रिपोर्ट, जिसे इंडिया टुडे ने खोज निकाला है, के अनुसार, जस्टिस वर्मा अपने आवास पर आग लगने के बाद मिले जले हुए नोटों पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दे सके, इसलिए उन पर संसद में महाभियोग चलाने की कार्यवाही की जा सकती है।

मानसून सत्र नज़दीक आ रहा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा की आठ रिक्त सीटों पर चुनाव हैं, 19 जून को

इन चुनावों का गणना की दृष्टि से कुछ भारी असर नहीं पड़ेगा, राज्यसभा के राजनीतिक समीकरणों पर, लेकिन, एनडीए को थोड़ा नुकसान तो होगा ही इस चुनाव से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। राज्यसभा की 8 रिक्त सीटों पर 19 जून को चुनाव होगा, इनमें से 6 सीटें तमिलनाडू से हैं और 2 असम से, हालांकि इनके नतीजों से राज्यसभा के सत्ता संतुलन पर खास फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन सत्तारूढ़ एनडीए को मामूली झटका लग सकता है, खासकर तमिलनाडु में जहाँ बदलते राजनैतिक समीकरणों से गठबंधन को कई सीटों का नुकसान हो सकता है।

- इस चुनाव में 6 सीटें तमिलनाडु में भरी जायेंगी तथा भाजपा व अन्नाद्रमुक गठबंधन के पास चार सीटें कम हैं अपना उम्मीदवार जिताने के लिए। अतः, भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन को कोई खास राजनीतिक लाभ मिलने की संभावना नहीं है।
- आसाम में जो दो सांसद रिटायर हो रहे है वे दोनों एनडीए गठबंधन के सदस्य हैं। पर, आसाम में भाजपा को जितने वोट चाहिये अपना उम्मीदवार जिताने के लिए, उसमें चार विधायकों की कमी है। अतः भाजपा (एनडीए) को दो सीटों का नुकसान हो सकता है।
- इंडिया गठबंधन की राज्यसभा की सीट संख्या में शायद इज़ाफा नहीं हो, पर, अगर आसाम में भाजपा (एनडीए) दो सीटें हार जाती है तो इंडिया गठबंधन के मनोबल को जरूर मजबूती मिलेगी।

तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का बहुमत हे। उसके पास 133 सीटें है, उसे कांग्रेस (17 सीट), वीसीके (4 सीट) और वामपंथी दल (3 सीट) का समर्थन भी प्राप्त है। इसके विपरीत अन्नाद्रमुक के पास 66, भाजपा के पास 4, पीएमके के पास 3 सीटें है। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 34 वोट चाहिए और इस प्रकार द्रमुक को अधिकांश सीटें जीतने की उम्मीद है।

एनडीए के पास अभी राज्यसभा में 128 सीटें हैं और अगर तमिलनाडु में एनडीए 3-4 सीटें हार जाता है तो इसकी सीटों की संख्या में चार की कमी आ जाएगी। एनडीए की सीटों में यह कमी इंडिया गठबंधन का मनोबल बढ़ा सकती है। जिसकी सीटें 84 से बढ़कर 89 हो सकती हैं। हालांकि, गैर भाजपा, गैर कांग्रेसी दलों की सीटें 20 ही रहेगी।

असम में मुकाबले के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। यहाँ राज्य विधानसभा में 126 सीटें हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 42 वोटों की जरुरत होगी। यह से एनडीए के दो सदस्य बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य (असम गण परिषद) और भाजपा के कामाख्या प्रसाद तासा 4 जून को रिटायर हो रहे हैं। यहाँ भाजपा के लिए दोनों सीटों पर कब्जा कायम रखना मुश्किल हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जासूसी के संदेह में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद का निजी सचिव गिरफ्तार

निजी सचिव सरकारी कर्मचारी है, वह विभाग को बताये बिना पाकिस्तान यात्रा पर गया था

- सुरक्षा एजेन्सियों ने उसे जिला रोजगार कार्यालय से पकड़ा और रात को पूछताछ के लिये जयपुर ले गई।
- बताया जा रहा है कि निजी सचिव शकूर खान जाँच में सहयोग नहीं कर रहा है।

जैसलमेर, 29 मई (नि.सं.)। जैसलमेर में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान को जासूसी के शक में सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा है।

वर्तमान में शकूर खान मंगलिया जिला रोजगार कार्यालय में क्लर्क है। उस पर आरोप है कि वह अपने विभाग को बिना बताए पाकिस्तान की यात्रा पर गया था। शकूर खान मंगलियों की ढाणी, बड़ोडा गांव का निवासी है। वह 2008 में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर काम कर चुका है। उस वक्त सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे।

शकूर को बुधवार को रोजगार कार्यालय से सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा। उससे पाकिस्तान यात्रा को लेकर पूछताछ की गई। जैसलमेर में पूछताछ के बाद रात को उसे जयपुर ले जाया गया। बताया जा रहा है कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। इसलिए उससे जयपुर में सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

शकूर की इस संदिग्ध गतिविधि के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों ने उसे डिटेन किया है। शकूर सरकारी कर्मचारी है, इसके बावजूद, वह विभाग को सूचना दिए बिना पाकिस्तान गया था, उससे इस बारे में पूछताछ की जा रही है।

शकूर खान से संयुक्त जांच कमेटी ने गहन पूछताछ की। बताया जा रहा है कि शकूर ने जांच में सहयोग नहीं किया।

दरअसल, भारत-पाक सीमा के नजदीक होने के कारण, जैसलमेर संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। फिलहाल इस मामले में कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के पूर्व मंत्री के निजी सचिव (पीए) की पाकिस्तान यात्रा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गुरुवार को उदयपुर प्रवास के दौरान राठौड़ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पूर्व मंत्री के निजी सचिव की पाक यात्रा का मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है। इस मामले में गहन जांच होगी और इसमें संलिप्त सभी लोगों की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एक मंत्री का पीए, जिसके पास प्रशासन और सरकार की अनेक जानकारियां होती हैं, अगरदुश्मन देश पाकिस्तान की यात्रा करता है, तो यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खनन पट्टों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना के लिए जाँच कमेटी बनेगी

जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह तीन वरिष्ठ अधिकारियों की एक कमेटी का गठन करे, यह कमेटी देखेगी की बजरी खनन पट्टा देने के दौरान सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना हुई है या नहीं? इसके अलावा, कमेटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने की रिपोर्ट देने पर ही संबंधित व्यक्ति को खनन पट्टा जारी किया जाएगा। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. बृजमोहन सपूत कला संस्कृति सेवा संस्थान की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि जाँच कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही खनन पट्टा जारी होगा।

याचिका में वीरेन्द्र लोढा ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने बजरी लीज धारक वेलफेयर सोसायटी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘बार-बार अनुबंधन होते हैं, पर, सामान (हथियार) नहीं आता’

वायुसेना अध्यक्ष अमर प्रीत सिंह ने चौंकाने व हिलाने वाली टिप्पणी की सेना को हथियार पहुंचाने में हो रहे विलम्ब पर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने उस समय एक धमाका ही कर दिया, जब उन्होंने रक्षा -खरीद के निर्धारित समय पर पूरा होने में विलम्ब पर सवाल खड़े कर दिये। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुये कहा कि हथियार -तन्त्र के उत्पादन में विलम्ब के कारण अधिकांश कॉन्ट्रैक्ट पूरे नहीं हो पाते।

- वायु सेना अध्यक्ष ने विशेष रुप से देशी हवाई कम्पनियों पर कटाक्ष करते हुए कहा, “युद्ध जीतने के लिये, सेना को सुदृढ़ होना जरुरी है।”
- उन्होंने तेजस लड़ाकू विमान का उदाहरण दिया। 2021 में हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड से 48,000 करोड़ का अनुबंधन हुआ था, तेजस विमान के निर्माण व सप्लाई के लिये, 83 विमान मार्च, 2024, तक प्राप्त होने थे, वायु सेना को, पर अभी तक यह सप्लाई नहीं आई है।

आज सीआईआई ऐनुअल बिज़नेस समिट में बोलते हुये, आईएएफ चीफ ने, विशेष रुप से स्वदेशी रक्षा प्रोजेक्टों में हुये विलम्ब के अनेक प्रकरणों का जिक्र किया।

शीर्ष आईएएफ ऑफिसर ने अफसोस व्यक्त करते हुये कहा कि हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने 83 तेजस एमके 1 ए, जो 4.5 जनरेशन लाइट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट (एलसीए) है, में से एक भी एयरक्राफ्ट अभी तक नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि फरवरी, 2021 में 48000 करोड़ रु. के कॉन्ट्रैक्ट के पीएसयू अवार्ड के बाद, मार्च, 2024 में इनकी डिलीवरी शुरु होने की उम्मीद थी।

इस मामले में एचएएल दोषी भले ही दिखाई दे रही हो, लेकिन तथ्य यह है कि एचएएल का उत्पादन “जनरल इलेक्ट्रिक” की ओर से इंजनों की धीमी डिलीवरी से प्रभावित हो रहा है, और इसके पीछे कारण यह है कि इस अमेरिकन फर्म को सप्लाई चेन की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, “तेजस एमके 1 की डिलीवरी में विलम्ब हुआ है। तेजस एमके 2 का प्रोटोटाइप अभी तक सामने नहीं आया है। गोपनीय एएमसीए फाइटर का प्रोटोटाइप अभी तक है ही नहीं। ज्ञातव्य है कि समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे।

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बीच सहयोग पर जोर देते हुये, आईएएफ चीफ ने भारत में वैपन सिस्टम्स की डिज़ाइनिंग की आवश्यकता बताई तथा उन्होंने सशस्त्र सेनाओं तथा उद्योग के बीच विश्वास एवं पारदर्शिता विकसित किये जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, “हम भारत में उत्पादन किये जाने के बारे में बात नहीं कर सकते, हमें डिज़ायनिंग के बारे में बात करने की जरुरत है। हमें जरुरत इस चीज की है कि सेनाओं और उद्योग के बीच विश्वास पैदा हो। हमें पूरी तरह खुला रहने की, पारदर्शिता की जरुरत है। अगर हमने किसी चीज के लिये वचन दे दिया है, तो हमें उसे पूरा करना चाहिये। एयर फोर्स भारत में निर्माण के लिये पूरे प्रयास कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने कनिष्ठ अनुदेशकों के भर्ती नियमों में संशोधन को सही माना

जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के आईटीआई कॉलेजों में कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती- 2024 में राज्य सरकार की ओर से भर्ती नियमों में संशोधन करने को सही माना है। इसके साथ ही, अदालत ने कहा कि राज्य सरकार को भर्ती नियमों में संशोधन का अधिकार है। वहीं, अदालत ने राज्य सरकार को यह भी छूट दी है कि वह 11 मार्च 2024 की भर्ती विज्ञिप्त के अनुसार कनिष्ठ अनुदेशक के पद पर भर्ती प्रक्रिया को जारी रख सकती है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश कोमल

- जस्टिस इंद्रजीत सिंह व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने अभ्यर्थियों की याचिका खारिज की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन, अमेरिका को चीते की खाल में भेड़िया क्यों कहता है

ट्रम्प की, ताकतवर प्रतिद्वंदी के सामने पीछे हटने की प्रवृत्ति, इस उपाधि में कुछ सत्यता का भान तो कराती है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। क्या आपने कभी “टाको” (टी.ए.सी.ओ.) या “टाको ट्रेड” के बारे में सुना है।

इसका अर्थ है “ट्रम्प हमेशा पीछे हट जाते हैं।” (ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट)। यह एक उपाधि है जो चीन के नेटिज़न्स (इंटरनेट उपयोगकर्ताओं) ने उन्हें उस समय दी थी, जब वे चीन के साथ टैरिफ (शुल्क) युद्ध से डरते हुए नज़र आए। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था, लेकिन बातचीत शुरू होने से पहले ही उसे चरणबद्ध तरीके से 30 प्रतिशत तक नीचे ले आए।

चीनी लोगों ने ट्रम्प की इन रियायतों को टैरिफ वॉर में चीन से टकराव के डर के रूप में देखा। इसके बाद खुद अमेरिका के प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट के लोगों ने उन्हें “टाको ट्रेड” की संज्ञा दी, यह कहते हुए कि अमेरिकी शेयर बाजार ट्रम्प की टैरिफ नीति पर बार-बार बदली जा रही स्थिति के कारण ऊपर-नीचे हो रहा है।

जब एक पत्रकार ने ओवल ऑफिस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प से ही टाको प्रश्न पूछ लिया, तो वे पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने इसे ”सबसे घटिया सवाल” बताया और उस पत्रकार से फिर कभी यह सवाल न पूछने को कहा। वे यह साबित करने का प्रयास कर रहे कि वे कायर नहीं हैं।

लेकिन इस सर्वव्यापी उपाधि का खंडन करने की कोशिश में ट्रंप बड़बोले साबित हुए हैं। एक ऐसे नेता, जो अपने वादों के अनुरूप कुछ कर नहीं पाए, चाहे वह चुनाव जीतने पर यूक्रेन युद्ध को एक दिन में समाप्त करने का दावा हो, या संघीय खर्च और बजट घाटा कम करने की बात, हर मुद्दे पर ट्रम्प की असलियत सामने आ चुकी है।

ट्रंप के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था, उन्होंने बुधवार को इस्तीफा दे दिया। मस्क ने सार्वजनिक रूप से ट्रम्प की विफलता की आलोचना करते हुए कहा कि वे संघीय खर्च को कम करने में असफल रहे।

- अमेरिका ने पहले तो चीन से अमेरिका आने वाले सामान पर 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की और फिर जैसे-जैसे यह टैरिफ लगाने की तारीख नज़दीक आती गई, कई चरणों में अमेरिका ने एक के बाद टैरिफ घटाना शुरु किया और अब 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात चल रही है।
- इसी प्रकार पहले अमेरिका ने यूक्रेन वॉर का शांतिपूर्ण हल ढूढ़ने की दिशा में रूस पर सख्ती करने (आर्थिक प्रतिबंध आदि) की घोषणा करने का मानस दिखाया, पर, जब रूस ने इन धमकियों की परवाह नहीं करते हुए यूक्रेन में अपना आक्रामक रूप जारी ही नहीं रखा, बल्कि और तेज कर दिया, तो, अमेरिका ने फिर कमज़ोरी दिखाई और कहा, आर्थिक प्रतिबंध आदि कदम उठाने से दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के प्रयासों को धक्का लगेगा।
- इसी प्रकार भारत-पाक युद्ध में ट्रम्प यह दंभ भरते रहे कि व्यापार न करने की धमकी देकर उन्होंने दोनों देशों को “सीज़फायर” करवायी। पर, भारत के विदेश मंत्री ने भी कसर नहीं छोड़ी ट्रंप के इस दंभपूर्ण कथन को गलत बताने में।
- बार-बार दंभपूर्ण धमकियां देना व फिर पीछे हटना, क्या कायरता की निशानी नहीं। तो क्या चीन की उपाधि, वाकई में सटीक नहीं है?

एक टीवी साक्षात्कार में मस्क ने स्पष्ट रूप से कहा कि ट्रंप का बहुप्रचारित “बिग एक ब्यूटिफुल” बिल, जिसमें कर कटौती और रक्षा खर्च में भारी बढ़ोतरी शामिल है, वास्तव में ट्रम्प का पुराने वादों से पीछे हटने जैसा है। विधेयक अमेरिकी संघीय घाटे में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी करेगा। यह एक बहुत बड़ा वित्तीय घाटा है, जबकि ट्रम्प ने इसे कम करने का वादा किया था।

मस्क ने कहा कि यह विधेयक या तो बड़ा हो सकता है या सुंदर, दोनों नहीं हो सकता, जैसा कि ट्रम्प ने कहा था। मस्क का मतलब साफ था: ट्रम्प अपने बड़े वित्तीय सुधारों से पीछे हट रहे हैं। ट्रंप के लिए यह सबसे क्रूर प्रहार है।

यूक्रेन युद्ध के मामले में भी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा उकसाये जाने के बावजूद, ट्रम्प ने उन्हें कठोर शब्दों में लताड़ने के बजाय नरमी बरती है। ट्रम्प शांति की बात कर रहे थे और यूक्रेन से अपने शांति फार्मूले के तहत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान हाई कोर्ट को तीन नये न्यायाधीश मिलेंगे

जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाईकोर्ट को जल्दी ही तीन नए न्यायाधीश मिलने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुरुवार को वकील कोटे से नियुक्ति के लिए भेजे गए तीन नामों पर अपनी स्वीकृति दे दी है। इसके लिए कॉलेजियम की ओर से केन्द्र सरकार को जल्दी ही अपनी सिफारिश भेजी जाएगी और राष्ट्रपति भवन से इनकी नियुक्ति वारंट जारी होने के बाद इनका शपथ समारोह होगा। सुप्रीम कोर्ट की ओर से वकील कोटे से नियुक्ति के लिए राजस्थान हाईकोर्ट के अधिवक्ता बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित और रवि

- वकील कोटे से अधिवक्ता बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित और रवि चिरानिया के नाम को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकृति दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

कंवरलाल मीणा की विधायकी समाप्त हो गई, किन्तु कारावास की सजा के कारण अयोग्य होने से सीट रिक्त होने का आदेश सही प्रतीत नहीं होता

राजस्थान विधानसभा के अन्ता (बांरा) जिले से विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कंवर लाल मीणा की विधानसभा सदस्यता, विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने दिनांक 1.5.2025 से समाप्त कर दी है और अन्ता विधान सभा सीट रिक्त घोषित की है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कंवरलाल मीणा विधायक को दोष सिद्धि की तारीख से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत अयोग्य होना माना है। उसके विरूद्ध एक फौजदारी केस था, जिसके तथ्य हैं कि मीणा ने 3 फरवरी 2005 को मनोहर थाना (जिला झालावाड़) क्षेत्र में उपचुनाव के समय एसडीएम राम निवास मेहता को पिस्तौल दिखाकर वोटों की पुनः मतगणना कराने के लिये धमकी दी थी और लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 171(ई) का अपराध किया था। इस केस में लोअर कोर्ट ने (ट्रायल कोर्ट ने) सन 2018 में बरी कर दिया था; किन्तु अपील अदालत (एडीजे) ने 2020 में उनकी अपील खारिज की और उन्हें तीन वर्ष की सजा दी। कंवर मीणा को जो अपराध उन पर लगाया था उस पर दोष सिद्धि माना। कंवर लाल मीणा ने एडीजे के कन्वीक्शन के विरूद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में शरण ली। उच्च न्यायालय ने प्रार्थना अस्वीकार कर दी। उच्च न्यायालय के विरूद्ध उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अपील प्रस्तुत की है, वह भी खारिज हो चुकी है। मीणा ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरूद्ध रिव्यू पिटीशन दायर की है जिस पर 15 जुलाई 2025 को सुनवाई होनी है। यहां यह लिखना भी समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने मीणा की वह प्रार्थना कि उनकी सजा 2 साल कर दी जावे वह भी दिनांक 1 मई 2025 को अस्वीकार कर दी है।

अपील आदि के दौरान कोर्टस सजा स्थगित की थी; किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 1 मई, 2025 को कंवर लाल मीणा की याचिका खारिज कर दी। इससे यह अर्थ निकाला गया है कि सजा दिनांक 1 मई, 2025 से प्रभावशाली हो गई। किन्तु विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कंवरलाल मीणा की सदस्यता निरस्त नहीं की, इस पर अध्यक्ष विधानसभा ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वे किसी भी व्यक्ति के दवाब में काम नहीं करते वे प्रत्येक केस में उसके सभी पहलू पर गहन अध्ययन करते हैं और विधि सम्मत और न्याय सम्मत निर्णय लेते हैं। उन्होंने अपना निर्णय लेने में महाधिवक्ता से संविधान के अनुच्छेद 177 के तहत राय ली है अत: विलम्ब का आरोप उचित नहीं है। मीणा को दोष सिद्धि की तारीख दिनांक 1 मई 2025 से अयोगय घोषित किया है। विधानसभा की सीट रिक्त हो गई है। इसके बाबत नये चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी।

नेता प्रतिपक्ष टीकराम जूली ने विधान सभा के विरूद्ध देरी का आरोप लगाया है किन्तु विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी समाप्ति किये जाने को न्याय और सत्य की जीत बताया है और इसे कांग्रेस के संविधान बचाओ आन्दोलन की जीत कहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने भी इस घटना को सत्य की जीत कहा है और संविधान को सर्वोपरी स्वीकारा है। अध्यक्ष देवनानी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि ''वे नहीं चाहते कि वे ऐसा कोई कार्य करें जो वापिस पलट जावें''। उन्होंने अपनी पीडा अभिव्यक्त करते हुये कहा है कि वे इस मामले में राजनीतिकरण करना निन्दनीय मानते हैं। कंवर लाल मीणा ने तीन साल की सजा के बाद दिनांक 21 मई, 2025 को कोर्ट में सरेन्डर किया। विधानसभा के बुलेटिन के हिसाब से उनकी विधायकी 1 मई 2025 से समाप्त होना माना गया।

जैसे ऊपर कहा है कंवर लाल मीणा को दोष सिद्धि की तारीख से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191 (1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत निरर्हित (अयोग्य क्पुनंसपलि) किया है। उनका कन्वीक्शन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 171(1)(ई) के तहत अपराध (र्वमिदबम) कारित करने के कारण हुआ है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 घोषित करती है कि यदि किसी व्यक्ति का कन्वीक्शन (दोष सिद्धि) होता है तो उसे विधायिका की सदस्यता से अयोग्य माना जावेगा। यदि उसकी सजा 2 वर्ष से कम की नहीं है और वह अयोग्यता कन्वीक्शन की तारीख से होगी और अयोगयता 6 वर्ष की होगी। अयोग्यता का प्रारम्भ कब से होगा इस बाबत प्रावधान धारा 8 की उपधारा (4) में किया गया है, जिसमें अपील, रिवीजन आदि की प्रकिया का समय शामिल किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) में विधायक की अयोग्यता का उल्लेख है, कि वह उस स्थिति में अयोग्य होगा जब इस बाबत संसद के द्वारा बनाये गये अधिनियम (कानून) में इसका प्रावधान हो और ऐसा प्रावधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 है जो संसद द्वारा पारित किया गया है जिसका उल्लेख ऊपर किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विधानसभा की सीट कब रिक्त होती है, इस बाबत संविधान के अनुच्छेद 190(3) में उल्लेख मिलता है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कंवरलाल मीणा विधायक को दोष सिद्धि की तारीख से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत अयोग्य होना माना है। उसके विरूद्ध एक फौजदारी केस था, जिसके तथ्य हैं कि मीणा ने 3 फरवरी 2005 को मनोहर थाना (जिला झालावाड़) क्षेत्र में उपचुनाव के समय एसडीएम राम निवास मेहता को पिस्तौल दिखाकर वोटों की पुनः मतगणना कराने के लिये धमकी दी थी और लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 171(ई) का अपराध किया था।

इस केस में एफआईआर सन 2005 में दायर हुई। सन 2008 में कंवर लाल मीणा को भगोड़ा (।इेबवदकमत) घोषित किया। सन 2011 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और अकलेरा के मजिस्ट्रेट की अदालत में फौजदारी मुकदमें की ट्रायल के लिये पेश किया। उसी दिन उसकी जमानत कोर्ट ने ली है। सन 2018 में उसे बरी कर दिया पर संदेह का लाभ देकर। कन्वीक्शन के विरूद्ध अपील सेशन्स जज में होती है। अत: एसडीएम मेहता ने जो कम्पलेन्ट कर्ता थे, उन्होंने अपील की और एडीजे ने उनकी अपील स्वीकार कर उन्हें तीन साल की सजा की। 2023 में कन्वीकशन के विरूद्ध निगरानी राजस्थान उच्च न्यायालय में की।

माननीय न्यायालय ने अपने निर्णिय दिनांक 01.015.2025 से एडीजे के निर्णय को तथा तीन साल की सजा को सही ठहराया।

प्रश्न जो लेखक उद्वेलित कर रहा है वह है क्या उपरोक्त परिस्थिति में कन्वीक्शन की तारीख 01.05.2025 मानना उचित है। लेखक का अपना विचार है कि सेशन्स जज व हाईकोर्ट ने निचली अदालत के बरी के आदेश को गलत माना है अत: अपील अदालत का कन्वीक्शन का आदेश ही कन्वीक्शन का कारण है। वर्तमान केस में यह स्थिति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(4) को पढ़ने से स्पष्ट होती है, जिसमें सजा कब से प्रभावशील होगी इसकी प्रक्रिया दी गई है और स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता इस प्रक्रिया की समाप्ति पर लागू होगी, किन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट ने स्पसल जीवउं टेण न्दपवद व ्पिदकपं – व्जीमते ;2013द्ध 10 ैब्ब 1130 में अपने निर्णय दिनांक 10 जुलाई 2013 से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(4) को अवैध घोषित किया है और इस प्रकार उक्त एक्ट 1951 की धारा 8(3) के कन्वीक्ट व्यक्ति को धारा 8(4) का कोई लाभ नहीं मिल सकता। एक अन्य विचार धारा भी पढ़ने को मिलती है, जिसके अनुसार रमा नारंग बनाम रमेश नारंग व अन्य के केस (1995) में सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि अपील अदालत कन्वीक्शन को सीआरपीसी (ब्तण्च्ब) 1973 की धारा 389 अथवा धारा 482 के तहत सजा पर रोक लगा सकती है; किन्तु रविकान्त एस पाटिल बनाम सर्वभैमा एस बागली (2007) के केस में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि इस शक्ति का प्रयोग तंतमेज वा तंतम केसों में ही किया जा सकता है। इस दृष्टिकोण को नवराज सिंह सिद्धु बनाम स्टेट ऑफ पंजाब (2007) में भी समर्थन दिया है। प्रस्तुत केस में उपरोक्त कानूनी बिन्दुओं पर कोई चर्चा नहीं है अत: किस कानूनी आधार पर कोर्ट्स ने सजा पर स्थगन आदेश दिया नहीं कहा जा सकता।

इसी संबंध में यह भी कहा जा सकता है ये केसेज धारा 8(3) के कंवर लाल मीणा के केस से भिन्न थे। यह भी सच है धारा 8(4) को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया है, इसका केस पर क्या प्रभाव हुआ है, किसी भी पक्ष ने किसी भी कोर्ट का ध्यान आकर्षित नहीं किया गया। अध्यक्ष विधान सभा ने उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार कन्वीकशन की तारीख 01.05.2025 सही मानकर निर्णय दिया है। कंवर लाल मीणा ने अपने कन्वीक्शन को कोर्ट्स में चुनौती दी है; किन्तु अयोग्यता दिनांक 01.05.2025 से लागू होगी। इस विषय पर किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी।

उपरोक्त मन्थन का सार यह है कि राज्य विधानसभा के सदस्य की अयोग्यता के मुख्य कानूनी प्रावधान संविधान का अनुच्छेद 191 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) है। उपधारा (4) धारा 8 को लिली थामस के केस (निर्णय दिनांक 10.07.2013) में सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया है। इन दोनों कानूनों के कारण दोष सिद्धि अयोग्यता का कारण बनती है। यदि दोष सिद्धि में दो वर्ष या इससे अधिक कारावास की सजा दी गई है तो अयोग्यता स्वत: हो सकती है। इसे समझने के लिये संविधान के अनुच्छेद 190(3) को पढ़ना होगा। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि विधान सभा की सीट दोष सिद्धि की तारीख से रिक्त होती है और दोष सिद्धि (ब्वदअपबजपवद) 2020 में हुआ।

सत्यमेव जयते!
-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश,
राजस्थान हाई कोर्ट

महाराणा प्रताप: एक बहुआयामी व्यक्तित्व

शिवशंकर शर्मा

मुगलिया सल्तनत जिस व्यक्ति को जीतने की कोशिश करती रही और आजादी के बाद बनें मार्क्स – मैकाले के मुग़ल प्रेमी गठजोड़ उस व्यक्ति को भूलाने, नई पीढ़ी को एक पराजित राजा और केवल अपनी सत्ता के लिए लड़ने वाला युद्ध प्रिय इंसान बताने के षडयंत्र रचता रहा पर पांच शताब्दियों के बाद भी जिसका नाम सुनकर शिराओं में शोणित उबाल मारने लगता है। ऐसे महान प्रतापी, स्वातंत्र्य प्रिय और धर्म ध्वजा के वाहक के बारे में अब्दुल रहीम खानखाना जिसे हम रहीम खान के नाम से या रहीम जी के नाम से जानते हैं लिखते है–

''धर्म रहसी, रहसी धरा खिस जासे खुरसाण।
अमर विशंभर ऊपरे राख नइचो राण।।''

अर्थ :– मैं नहीं जानता धर्म धरा और यह मुग़ल कब तक रहेंगे पर मैं जानता हूं तुम्हारा नाम सदा अमर रहेगा।

यह व्यक्ति कोई और नहीं हिंदुवा सूरज महाराणा प्रताप ही थे। विक्रम संवत् 1597 की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया (9 मई 1540 इस वर्ष 29 मई) को राणा उदय सिंह के घर जन्मे प्रताप, उस सूर्यवंश की 210 वीं पीढ़ी में थे जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम 64वीं पीढ़ी में जन्मे थे और इन्हीं के वंश की आगामी पीढ़ी में जन्म हुआ छत्रपति शिवाजी महाराज का। 28 फरवरी 1572 को जब राणा उदय सिंह जी का निधन हुआ तो राज परिवार ने धीर कंवर के पुत्र जगमाल सिंह को राणा घोषित करने का निर्णय किया परंतु गोगुंदा में जब राणा उदय सिंह का अंतिम संस्कार हो रहा था, तो जनता ने राजतंत्र में लोकतंत्र की हुंकार भरते हुए प्रताप सिंह को महाराणा घोषित कर दिया। यह ठीक वैसे ही था जैसे उनकी 146 पीढ़ी पहले महाराज दशरथ द्वारा राजकुमार भरत को राजगद्दी सौपने और युवराज श्री राम को वन गमन की आज्ञा देने पर जनता श्री राम के साथ वन गमन की तैयारी करने लगी थी राज आज्ञा का उल्लंघन करके। उस समय भगवान श्री राम ने युग धर्म का पालन कर वन गमन किया तो महाराणा प्रताप ने अपने युग धर्म का पालन करते हुए कांटों भरा ताज अपने सिर पर रख लिया।

यह वह समय था जब 1568 में अकबर ने चित्तौड़ पर कब्जा कर लिया था पर मेवाड़ ने अधीनता स्वीकार नहीं की थी और जब एकलिंग दीवान के रूप में राणा प्रताप ने मेवाड़ की बागडोर संभाली थी उसी वक्त अकबर की सेना गुजरात का अपना अभियान पूरा कर आगरा की ओर लौट रही थी तो मेवाड़ की सेना ने उसे रोककर दंड वसूल लिया। बादशाह अकबर एक ओर सभी जगह युद्ध जीत रहा था तो ठीक उसकी नाक के नीचे मेवाड़ अभी भी अधीनता स्वीकार नहीं कर रहा था।

राणा का रणनीतिक कौशल :– महाराणा प्रताप यह जानते थे कि एक सामूहिक सेना बनाकर हम मुगलों से उनकी ही मनमाफिक जगह पर लड़कर नहीं जीत सकते। क्योंकि मुगलों के पास संसाधन थे तो सेना भी। उन्होंने अपने पिता की रणनीतिक का अनुसरण किया, जिनका मानना था कि युद्ध स्थल होगी उनकी अपनी पहाड़ियां, महलों या किलो में बैठकर शत्रु का इंतजार नहीं करेंगे, बल्कि पहाड़ियों, दर्रों और जंगलों में शत्रु को शिकार बनाएंगे। रण क्षेत्र का यह बदलाव भारतीय इतिहास का एक विशेष मोड है, इसे बाद में शिवाजी महाराज ने भी अपनाया था। महाराणा प्रताप जहां मेवाड़ में आजादी का धर्म ध्वज थामें थे तो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे बांसवाड़ा के राजा प्रताप सिंह, डूंगरपुर के रावल आसकरण, मारवाड़ में महाराजा चंद्रसेन सिरोही के राव सुरताण ईडर के राजा नारायणदास, जालौर में ताज खान। यह बदली हुई युद्ध नीति थी। अलग–अलग पर सामूहिक प्रयत्न यही कारण है कि मुगल सेना मेवाड़ में आती तो मारवाड़ में महाराजा चंद्रसेन उठ खड़े होते, मुगल टुकड़ी मारवाड़ की ओर आती तो सिरोही में राव सुरताण अपना कौशल दिखा देते।

हल्दीघाटी हारे नहीं जीते थे महाराणा प्रताप :–जून 1576 में हुआ हल्दीघाटी का युद्ध महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ की सेना जीती थी परंतु मार्क्स और मैकाले के मानस पुत्रों के द्वारा मुगल प्रेम ने कभी मेवाड़ को पराजित तो कभी युद्ध को अनिर्णित बताकर मेवाड़ के गौरव के बहाने हिंदू समाज के विजय गौरव को कम करने की कोशिश की गई। परंतु अकबर का दरबारी लेखक था अब्दुल कादिर बदायूंनी। उसने अपनी पुस्तक में लिखा है कि मुगलों की 5000 की सेना पर 3000 की मेवाड़ की सेना का गोगुंदा के उस तंग दर्रे में शुरुआती हमला इतना भयंकर था कि हमारी सेना बनास नदी के पास–पास 8 मील तक भागने पर मजबूर हो गई थी। वह आगे लिखता है कि युद्ध के बाद हम गोगुंदा पहुंचे तो हमें इतना डर था कि रुकने की जगह पर बड़ी दीवार बनाकर रुके ताकि रात को हमला नहीं हो जाए। इसके बाद वो लिखता है कि हम गोगुंदा से अजमेर की ओर आ रहे थे तो एक ओर तो जून महीने की तपती दुपहरी थी तो दूसरी ओर गांव–गांव में हमें लूटा जा रहा था। वही आगे लिखता है कि जब अकबर के दरबार में राजा मानसिंह और आसद खान पहुंचे तो बादशाह ने गुस्से में उन्हें दरबार में आना बंद करवा दिया। यह सब कुछ बदायूनी ने लिखा है, जो अकबर के दरबार में था। बताइये, युद्ध से भागता कौन है? लूटता कौन है? डरता कौन है? और युद्ध जीतकर आते अपने सेनापति से नाराज कौन होता है? इसके उत्तर आपके समझ में आ गए तो आप जान जाएंगे कि हल्दीघाटी का युद्ध ना मेवाड़ की सेना हारी ना अनिर्णीत निर्णय रहा बल्कि महाराणा प्रताप के नेतृत्व में हल्दीघाटी का युद्ध मेवाड़ की सेना जीती थी। हल्दीघाटी के युद्ध के विजेता महाराणा प्रताप थे, अगर वे नहीं होते तो जून 1576 के तत्काल बाद अक्टूबर 1576 में अकबर खुद मेवाड़ आने पर क्यों मजबूर हो जाता है ? वहीं 1576 के बाद के संथाना, मंडेरवाला, ओडा गांव में मिले ताम्रपत्र प्रताप की विजय गाथा कहते हैं, जिनमें यहां की भूमि दान में देने का उल्लेख है। अगर इन क्षेत्रों में महाराणा प्रताप का आधिपत्य नहीं होता तो यह दान में राणा कैसे भूमि दे सकते थे?

अकबर के मन में इतना भय व्याप्त हो गया कि किसी कवि ने लिखा है :–

माई एड़ा पूत जण, जेड़ा राणा प्रताप।
अकबर सुत्यो ओझके, जाण सिराने सांप।।

1585 के बाद के 12 वर्ष तक, जब तक महाराणा प्रताप जीवित रहे मुगल हिम्मत नहीं जुटा सके, कि वे मेवाड़ की ओर मुँह भी करें। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि अकबर उत्तर, पश्चिम में व्यस्त हो गया था तो महाराणा प्रताप के निधन के तुरंत बाद कैसे मेवाड़ की ओर आ धमका?

सामाजिक समरसता और स्वातंत्र्य क्रांति के पुरोधा :–समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर धर्म युद्ध लड़ने वाले महाराणा प्रताप का सामाजिक समरसता और लोक संग्रह का व्यवहार ही था कि भील समाज के रणबांकुरे पूंजा सोलंकी के नेतृत्व में महाराणा की सेना में आ मिलते हैं। हाकिम खान सूर मुगल सेना से दो–दो हाथ करते दिखते है, बूंदी के राजा सूरजन के पुत्र दूदा हो या सहसमल, ग्वालियर के राजा राम सहाय तोमर अपने पुत्रों शालीवाहन, प्रताप सिंह और भवानी सिंह के साथ युद्ध भूमि में जय एकलिंग का समवेत जय नाद करते दिखे। उनका कितना करिश्माई व्यक्तित्व होगा कि जब युद्ध काल में महाराणा प्रताप अपनी राजधानी को छोड़ कभी चावंड, कभी मदारिया, कभी कोलियरी, कभी गोगुंदा रहते हैं तो लोग कहते हैं रानूं जी कहै बठे उदयपुर अर्थात जहां राणा जी वही राजधानी, यह जनता का अपने राजा से एकाकार होना है।

इसी प्रकार का एक उदाहरण है जनजातीय समाज का एक वर्ग जो लोहार का काम करता है। पूरा समाज व्रत ले लेता है, जब तक मातृभूमि आजाद नहीं तब तक पक्के मकान नहीं और यह व्रत वे आजादी के बाद तक निभाते है। उनसे देश के पहले प्रधानमंत्री स्वयं आग्रह करते हैं कि हम आजाद हो गए। उनका जीवन कितना तेजस्वी रहा होगा कि भारत में कई युद्ध हुए पानीपत में 3 तराईन में 3 पर हल्दीघाटी के दर्शन करने का सपना हर भारतीय आज भी रखता है। 18 जून 1576 के वह तीन घंटे जब युद्ध अपने निर्णायक मोड़ पर था ऐसा कुछ तो विशेष हुआ कि यह माटी चंदन बन गई।

आजादी का आंदोलन और महाराणा प्रताप :– महाराणा प्रताप केवल जीवित रहते हुए मुगलों से ही लड़े ऐसा नहीं है, वे अपने जीवन के बाद भी आजादी की लौ बनकर भारतीयों को प्रेरित करते रहे। कर्नल जेम्स टॉड ने राजस्थान की वीर गाथा को जब लिखकर दुनिया के सामने रखा तो सबसे पहले कोलकाता में ही। यह पुस्तक पहुंची थी।यही गुलाम भारत में शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। महाराणा की गाथा को पढ़कर बंगाली साहित्यकारों ने अनेक पुस्तकें लिखी, आजादी की चाहत की जल रही मशाल को इन बलिदानी गाथाओं ने धधका दिया। आज भी बंगाल में अनेक पुस्तकालय में महाराणा प्रताप की गौरव गाथा बंगाली भाषा में ही मिल जाएगी। 1895 में लोकमान्य तिलक जब शिवाजी महोत्सव शुरू करते हैं तो शिवाजी के साथ महाराणा प्रताप की तस्वीर लगाई जाती है। उस समय गुंजा जय शिवा सरदार की, जय राणा प्रताप की का यह नाद भारत की एकात्मता का जय गान बन गया। 1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी अखबार प्रकाशित करते हैं तो उन्हें नाम भी याद रहता है 'प्रताप'। 1915 में उड़ीसा के बालासोर में वाधा जतिन नाम का क्रांतिकारी अपने सामर्थ्य का प्रकटीकरण करता है तब काजी नज़रुल इस्लाम इसे नई हल्दीघाटी कहकर संबोधित करते हैं।

–शिव शंकर शर्मा, स्वतंत्र पत्रकार

आतंकवाद और उग्रवाद : पूंजीवादी साम्राज्यवाद की अनिवार्य उपज

रामनिवास बैरवा

जनता हमेशा ही शान्ति प्रिय होती है और सेनाएं भी युद्ध नहीं चाहती। वहीं सरकारें अपने मूल चरित्र में हिंसक होती हैं। पुलिस आमतौर पर सरकार की संगठित हिंसा का चेहरा होती है। विरासत में प्राप्त सामाजिक और राजनीतिक विचारधारा और तद्नुरूप बनाये गये कानून पुलिस को हिंसक बना देते है, सामाजिक भावना–विहीन, मानवीय भावना–विहीन बना देती है। परिणामस्वरूप पुलिस प्रत्येक नागरिक को एक अपराधी मानती है और कुछ नहीं तो किसी भी नागरिक के द्वारा अपनी बात कहने को भी 'शान्तिभंग' तथा 'राजकार्य में व्यवधान' बताकर अपने चरित्र का परिचय देती है।

दूसरी तरफ सत्ता तक पहुंचने की लालसा में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के अन्तर्द्वंद्व इतने उग्र हो जाते हैं कि राजनीतिक हिंसा उनके लिए एक प्रकार से सामान्य जैसी होती है। जब सरकारी हिंसा और राजनीतिक हिंसा मिल जाती हैं, एकाकार हो जाती है तब उसका प्रदर्शन, आन्तरिक रूप से, दूसरे गुटों–वर्गों का दमन करना होता है। लेकिन, जब आन्तरिक दमन अपेक्षित परिणाम नहीं देते हैं तब पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं को लेकर युद्ध किये जाते हैं। ऐसे युद्धों में सेनाओं के अधिकारीगण अपनी तरक्की, अपनी पदोन्नतियों तथा सम्मानों के अवसर देखते हैं। इस तरह के युद्ध हालांकि लम्बी अवधि के नहीं होते हैं, लेकिन उन युद्धों के आर्थिक दुष्प्रभाव जनता को लम्बे समय तक भुगतने पड़ते हैं। पिछली कई शताब्दियों से दो देशों के बीच युद्ध होते रहे है जिनका अन्तिम परिणाम विजेता देश की सीमाओं में पराजित देश का पूरा या आंशिक विलय कर दिया जाना सम्भव होता था। परन्तु, पहले विश्व युद्ध, के बाद जो कि लगभग पांच वर्ष तक चला था–विजेता देशों की सीमाओं में पराजित देशों का पूरा या आंशिक विलय नहीं किया गया बल्कि विशाल देश साम्राज्यों से कई छोटे–छोटे देश अस्तित्व में आये जिनकी कि अपनी–अपनी स्वतन्त्र राष्ट्रीयताओं की प्रतिनिधि व्यवस्था अस्तित्व में आयी। भारत भी उनमें से एक है, जिसका विघटन ही हुआ है।

दूसरे विश्व युद्ध में पूंजीवादी उग्र राष्ट्रवादी देशों की पराजय ने राष्ट्रों को दो खेमों में बांट दिया–पूंजीवादी–साम्राज्यवादी खेमा और कम्यूनिस्ट विचारधारा का समाजवादी खेमा। पूंजीवाद के समानान्तर अपराध–जगत भी पनपता है, जो कि गैरकानूनी व्यापार तथा नशीले पदार्थों और हथियारों के व्यापार में संलग्न रहते हैं। कई बार पूंजीवाद के समानान्तर चलने वाले ये अपराध खुद पूंजीवाद को आर्थिक मंदी जैसे संकटों से उबारने में भी सहायता करते है, जैसे 2008 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी में किया गया था। इस प्रकार के अपराध के केंद्र दक्षिणी अमरीकी देश, अफगानिस्तान, अफ्रीकी देश दक्षिण–पूर्वी एशियाई देश हैं। अत: इन देशों में सत्ताधारी वर्गों के अन्तर्विरोध चरम पर रहते है तथा अमरीका जैसे देश उन देशों की सरकारों को अस्थिर करते रहते है तथा सेनाओं के उच्च अधिकारियों को रिश्वतें देकर उनका समर्थन प्राप्त करते रहे हैं।

पाकिस्तान और भारत के आपसी टकराव भी इसी पृष्ठभूमि में किए जाते रहे हैं, जिन्हें अंग्रेजों से विरासत में मिले हिन्दू–मुसलमानों के धार्मिक वैमनश्य का रूप देकर स्थानीय रूप दिया गया है। तथाकथित शीत युद्ध की समाप्ति तथा अफगानिस्तान के नशीलें पदार्थों के व्यापार पर अधिकार जमाने के लिए अमरीका वहाँ तालिबान जैसे कट्टर मुस्लिम संगठन को खड़ा किया, साथ ही मुस्लिम कट्टरता के समानान्तर संगठन को पाकिस्तान में खड़ा किया जिससे कि अफगानिस्तान से नशीली दवाओं का व्यापार भारत में भी फैले। इससे पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भारी भरकम रिश्वतें दी जा रही है जिससे पाकिस्तान में चुनी हुई सरकारों पर सेना का नियन्त्रण रहता आया है, काफी लम्बे समय तक सेना ने ही वहाँ पर शासन किया है– अय्यूब खां, याहयां खां, जिया उर्रहमान, मुशर्रफ आदि। अभी अमीर मुनीर का सेनाओं के प्रमुख के रूप में पाकिस्तान की सरकार पर नियन्त्रण तो है ही सरकार अपने हाथों में लेने की फिराक में है। अपनी उस महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए स्वयं पाकिस्तान में अशान्ति बनाये रखना और जनता को धार्मिक आधार पर उकसा कर भारत के विरूद्ध छापामार हमलों जैसी कार्रवाइयां की जा रही है। जाहिर है, सक्रिय युद्ध काल नहीं होने की स्थिति में छापामार युद्ध प्रणाली को भारत के अंदरूनी भागों में अपने प्रशिक्षित लोगों को भेजकर उग्र या आतंक की कार्रवाइयां करते रहे है। इसे आतंकवाद का राजनीतिक नाम दिया गया है, इस प्रकार से आतंकवाद की अलग–अलग देशों की अपनी–अपनी परिभाषाएं हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद की अलग परिभाषा होने के कारण भारत में आ रहे आतंकवादी आतंकवादी नहीं कहे जाते हैं क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की यह परिभाषा संयुक्त राज्य अमरीका के द्वारा निर्धारित की गई है। लेकिन यह भी स्वीकार नहीं किया जा रहा है कि ये कथित आतंकवादी नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी में लगे लोगों को भारत में आने के लिए कवर–आवरण का काम करते हैं। इस प्रकार, आतंकवादी प्रत्यक्ष सामने होते हैं जबकि नशीली दवाओं और हथियारों के तस्कर अप्रत्यक्ष रूप से भारत में प्रवेश करते हैं।

यह भी एक तथ्य है कि कई देशों में अफीम मारीजुआना जैसी नशीली फसले काफी तादाद में पैदा होती हैं वहीं उन देशों में और अन्य अविकसित देशों में भू–गर्भीय खनिज बहुतायात में जमा हैं औ। विकसित पूंजीवादी देश यह नहीं चाहते कि वे देश उनका उत्खनन करके पूंजीवादी–साम्राज्यवादी देशों की उत्पादन की एकाधिकार की स्थिति के लिए समस्या बनें, इसलिए भी अविकसित देशों में विद्रोह की स्थिति बनाये रखी जाती है ताकि समय आने पर उन खनिजों को अपने अधिकार में लिया जा सके। अरब देशों के तेल भंडार इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं जो पेट्रो–डॉलर में 50 वर्ष पहले ही बदला, जो की अमरीका की आर्थिक स्थिति को मजबूती दे चुका है। अभी युक्रेन पर रूस का कब्जा हुआ भी नहीं, अमरीका ने नाटो से सुरक्षा दिलाने के नाम पर युक्रेन के खनिजों को अपने अधिकार में लेने का समझौता करके रूस–युक्रेन युद्ध में मध्यस्थ बनने की कोशिश में है। भारत में भी भरपूर खनिज भंडार हैं जिनके लिए यहां की सरकारों को छुट–पुट उग्र–राष्ट्रवाद और आतंकवाद में उलझा कर भारत के विकास को प्रभावित बनाये रखा गया है।

यह तो साफ है कि तस्करी किसी भी देश की सामान्य अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से की जाती है जिसका प्रभाव बड़े पूंजीपतियों पर नहीं हो कर सामान्य नागरिकों पर ही होता है। और सामान्य नागरिकों, जो कि स्वभाव से ही शान्तिप्रिय होते हैं, की सामान्य गतिविधियों अगर कोई या भी व्यवधान या आतंकित किये जाने की घटना होती है तो वह सामान्य नागरिकों के सामान्य–सुचारू जीवन–चर्या में व्यवधान पैदा करती है, जिससे अर्थव्यवस्था पर भी असर होता है।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

राशिफल शुक्रवार 30 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 9:29 तक, गंड योग दिन 12:56 तक, वणिज करण दिन 10:20 तक, चन्द्रमा दिन 3:42 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कर्क, बुध–वृष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग रात्रि 9:29 तक है। कुमार योग रात्रि 9:23 से रात्रि 9:29 तक रहेगा। आज भद्रा दिन 10:20 से रात्रि 9:23 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी, उमा चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:42 तक, शुभ 12:24 से 2:06 तक, चर 5:29 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:11

मेष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

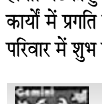

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

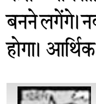

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

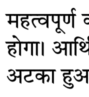

कर्क

व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

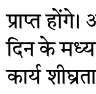

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

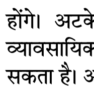

मीन

व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

शुष्क क्षेत्र में उगाये जाने वाले फल एवं सब्जियों की उन्नत किस्म की जानकारी दी

केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शिवराम मीणा ने शुष्क क्षेत्र में उगाई जाने वाले फल एवं सब्जियों की उन्नत किस्म एवं तकनीक की जानकारी दी।

- विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ गुरूवार को जिले के खाजूवाला ब्लॉक के 17 केवाईडी 12 केवाइी, 8 केवाईडी के 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया
- किसानों को कृषि की विभिन्न उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ गुरूवार को जिले के खाजूवाला ब्लॉक के 17 केवाईडी 12 केवाईडी, 8 केवाईडी के 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने भाग लेकर किसानों को कृषि की विभिन्न उन्नत तकनीकियों के बारे में अवगत करवाया।

इस मौके पर राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र परिसर बीकानेर के अध्यक्ष डॉ एस. सी. मेहता ने कृषि में पशुपालन की महत्वता पर जोर देते हुए कहा कि कृषि के पूर्ण विकास के लिए पशुपालन का बड़ा योगदान है। उन्होंने पशुओं की विभिन्न उन्नत नस्लों के बारे में बताते हुए इन्हें अपना कर किसानों को लाभ उठाने की सलाह दी।

केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शिवराम मीणा ने शुष्क क्षेत्र में उगाई जाने वाले फल एवं सब्जियों की उन्नत किस्म एवं उनके उत्पादन की उन्नत तकनीकियों के बारे में जानकारी दी। संस्थान में बहुत से फलों जैसे बेर, खजूर, शहतूत, किन्नू, नींबू, अनार बेलपत्र एवं सब्जियां जैसे काचरी, काकडिया, मतीरा, घीया, तोरई आदि के उन्नत पौधे एवं बीज उपलब्ध हैं। इन्हें किसान अपना कर कम खर्चे में अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र लूणकरनसर के मृदा विशेषज्ञ भगवत सिंह ने बताया कि मृदा का कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने मृदा की उर्वरता का महत्व बताते हुए कहा कि अच्छा उत्पादन लेने के लिए मृदा परीक्षण जरूरी है। उन्होंने मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं उसके आधार पर खाद एवं उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करके उनका उपयोग करने की सलाह दी ताकि कम खर्चे में अधिक उत्पादन लिया जा सके। कृषि विभाग बीकानेर के सहायक निदेशक डॉ रूबीना एवं सहायक कृषि अधिकारी सुभाष चंद्र ने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही किसान उपयोगी एवं लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर कृषि पर्यवेक्षक पवन कुमार, अंजू, शिव भगवान, रजनीश कड़वासरा एवं प्रगतिशील किसान जसविंदर सिंह चौहान, प्रकाश कौर, इंद्रजीत, सरवन कुमार डारा एवं रामरतन ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशंसनीय योगदान दिया।

कृषि संकल्प अभियान आज से : श्रीगंगानगर जिले के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के खरीफ पूर्व अभियान के तहत जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 की शुरूआत आज से होगी। यह अभियान 12 जून तक चलेगा। कार्यक्रम कृषि आयुक्तालय जयपुर के निर्देश पर संचालित होगा।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ. सतीश कुमार शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की आधुनिक तकनीकों, मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक और जैविक खेती, कृषि नवाचार, आधुनिक कृषि यंत्रों और ड्रोन के उपयोग की जानकारी देना है। किसानों से नवाचारों पर फीडबैक लेकर अनुसंधान के लिए आधार तैयार किया जायेगा। खाद्यान्न फसलों के लिए आदर्श एन.पी.के. अनुपात 4:2:1 और दलहन फसलों के लिए 1:2:1 बताया जायेगा। किसानों को 20 मूल मंत्रों की जानकारी देकर उत्पादन बढ़ाने के लिए जागरूक किया जायेगा।

जिले की 9 पंचायत समितियों के 90 गांवों में प्रतिदिन 2 टीमें तीन-तीन गांवों में शिविर लगायेगी। अभियान के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र पदमपुर की 2 टीमें बनाई गई हैं। टीम प्रथम के नोडल अधिकारी केवीके वैज्ञानिक डॉ. नवल किशोर हैं। टीम द्वितीय के नोडल अधिकारी राजवीर हैं। अभियान के नोडल अधिकारी उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक आत्मा, श्रीगंगानगर होंगे।

शिविरों का संचालन संबंधित क्षेत्र के सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) के निर्देशन में होगा। प्रभारी और सह प्रभारी सहायक कृषि अधिकारी और कृषि पर्यवेक्षक रहेंगे।

30 ग्राम हेरोइन के साथ महिला को पकड़ा

अनूपगढ़, (कासं)। पुलिस ने 27 ए चौक पर एक महिला को 30 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया।

आरोपी महिला जोरा, सरदारगढ़ की रहने वाली है। वह हेरोइन अपने बेटे को देने जा रही थी। एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि देर शाम पुलिस टीम गश्त पर थी। 27 ए चौक के पास एक महिला पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास कर रही थी। संदेह होने पर पुलिस ने महिला को रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम जोरा पत्नी वली मोहम्मद निवासी सरदारगढ़ बताया। महिला कांस्टेबल द्वारा तलाशी लेने पर उसके पास एक छोटा पर्स मिला, जिसमें से 30 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसके बेटे बरकत जो घड़साना में रहता है, उन्होंने फोन कर बताया था कि सरदारगढ़ में उसके घर एक व्यक्ति आकर सामान देगा, जिसे वह घड़साना ले जाए।

महिला ने आगे बताया कि बेटे के कहे अनुसार कुछ देर बाद एक व्यक्ति उनके घर आया और एक थैली में सामान देकर चला गया। उसने वह थैली अपने पर्स में रख ली। सोमवार को वह रेलगाड़ी से अनूपगढ़ पहुंची जहां 27 ए चौक पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच घड़साना थाना अधिकारी को सौंप दी है। एसएचओ जांगिड़ ने बताया कि हेरोइन (चिट्टा) का सेवन आजकल युवा वर्ग कर रहा है। जिससे छोटी उम्र में ही कई युवाओं को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वे नशे से दूर रहें।

सार-समाचार

प्रताप जयंती पर जल बचत का संदेश

महाराणा प्रताप की जीवन गाथाओं पर लाइव पेंटिंग पोस्टर बनाकर जयंती मनाई।

बीकानेर, (कासं)। महाराणा प्रताप की 482वीं जयंती के उपलक्ष में कलाकारों ने उनकी जीवनी पर लाइव पेंटिंग पोस्टर चित्रशाला आयोजित कर जयंती मनाई। वरिष्ठ कलाकार भूरमल सोनी, योगेन्द्र कुमार पुरोहित, राम कुमार भादानी, मुकेश जनागल, लक्ष्मण सहदेव, महावीर कुमार सहदेव, राजा रवि, तेजश तथा नन्हें कलाप्रेमियों ने चेतक घोड़े, हल्दी घाटी युद्ध तथा जंगल के जीवन विषयों पर पेंटिंग पोस्टर तथा गीत, कविताओं द्वारा प्रताप के शौर्य स्वाभिमान, युद्ध कोशल, पराक्रम का उत्सव मनाया। आयोजक वरिष्ठ कलाकार भूरमल सोनी स्वाधीनता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर चित्रशाला तथा पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया। नृसिंह महाराज व्यास ने वर्तमान समय में स्वतंत्रता सेनानियों को याद करना जयंती मनाकर उन्को अमर बनाने की बात कही। बच्चों ने महाराणा प्रताप की कविता हूं लडियों घणों मेवाड़ी माण बचावण ने..अपनी ओजस्वी वाणी से गाकर उनके जीवन की घटनाओं एवं कविता हल्दी घाटी का युद्ध. में महाराणा प्रताप के शौर्य का की गाथाओं का बखान किया। कलाकारों ने कविताओं और गीत के साथ लाइव चित्रण किया। महाराणा प्रताप जयंती उत्सव एवं चित्रशाला में जल बचत जागरूकता संदेश दिया गया। पानी व्यर्थ न बहाएं। जल ही जीवन है। जल है तो कल है आदि स्लोगन पानी की बूंदें बनाकर प्रदर्शित किया।

15 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार

श्रीधरानंद महाराज के सानिध्य में 15 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया।

बीकानेर, (कासं)। श्री करपात्री स्वामी धर्मसंघ महाविद्यालय देवीकुंड सागर में गुरूवार को सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन श्री श्रीधरानंद महाराज के सानिध्य में हुआ। इस दौरान कुल 15 बटुकों का वैदिक मंत्रोच्चार और विधि विधान से यज्ञोपवित किया गया। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास के पुत्र मानवेन्द्र, भतीजे पार्थ, हेरंब, पूर्णेन्दु, गौरांग, मानस, ललित मोहन व्यास आदि 15 बटुकों का यज्ञोपवीत इस दौरान हुआ। विधायक के देखदेखी और फिजुल खर्च से परहेज करते हुए परम्परागत तरीके से यज्ञोपवित संस्कार की पहल करते हुए मिसाल रखी और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि हमें हमारी पुरातन परम्पराओं का निर्वहन करते हुए ऐसी पहल करनी चाहिए। इस दौरान मांगीलाल भोजक, बृजमोहन व्यास, कमल कल्ला और श्याम व्यास आदि ने विभिन्न व्यवस्थाओं में भागीदारी निभाई।

कीटनाशक से युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के रावला थाना क्षेत्र के गांव 22 आरजेडी में खेत में बकरियां चराते समय युवक की कीटनाशक के असर से मौत हो गई। मृतक की पहचान कान्हाराम (30) पुत्र कृष्णलाल, जाति नाई, निवासी 22 आरजेडी के रूप में हुई है। परिजन घर से रावला के सरकारी अस्पताल लेकर आए। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के छोटे भाई विजयपाल (28) पुत्र कृष्णलाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। विजयपाल ने पुलिस को बताया कि कान्हाराम घर आया था। आंगन में उसे चक्कर आया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार कान्हाराम खेतों की तरफ बकरियां चराने गया था।

करंट से बैलगाड़ी पर बैठे युवक की मौत, पत्नी झुलसी

- बिजली के झुके हुए हाईटेंशन तार से बैलगाड़ी में करंट फैलने से हुआ हादसा
- बहन ने बैलगाड़ी से कूदकर जान बचाई, आक्रोशित ग्रामीणों ने शव लेने से किया इनकार

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ उपखंड क्षेत्र के गांव ऐटा में हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी झुलस गई और बहन को मामूली चोटें आई। हादसे में बैलगाड़ी में जुते बैल की भी मौके पर ही मौत हो गई।

यह हादसा उस समय हुआ जब युवक अपने परिवार के साथ बैलगाड़ी में सवार होकर मिट्टी लेने के लिए जोहड़ की ओर जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गई। प्रशासन और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एसडीएम संदीप काकड़, तहसीलदार कुलदीप कस्वां, नायब तहसीलदार गिरधारीलाल, सदर सीआई रामकुमार लेघा, सिटी एसआई दिलीप सिंह, राजियासर एएसआई हनुमान मीणा और थर्मल चौकी प्रभारी हैड कांस्टेबल जयपाल सिंह सहित पुलिस दल ने घटनास्थल का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार गांव ऐटा निवासी कालूराम उर्फ सिकंदर वाल्मीकि (25) अपनी पत्नी मोनिका और बहन पूनम के साथ बैलगाड़ी से कालूसर गांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में बिजली के झुके हुए हाईटेंशन तार को छूने से बैलगाड़ी में करंट फैल गया। इस करंट की चपेट में आने से कालूराम व बैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी मोनिका गंभीर रूप से झुलस गई। बहन पूनम ने बैलगाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। हालांकि उसे भी हल्की चोटें आई है। करंट से 70 फीसदी झुलसी मोनिका को पहले सूरतगढ़ ट्रोमा सेंटर लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीकानेर रैफर कर दिया गया।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की लापरवाही बताते हुए शव को उठाने से इनकार कर दिया और मौके पर ही धरना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे विधायक डूंगरराम गेदर, पूर्व विधायक राजेन्द्र भादू, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष परसराम भाटिया, किसान नेता राकेश बिश्नोई, अमित कल्याणा, सरपंच सुरजाराम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को बुलाने की मांग की।

मंडी में गोदाम से ग्वार चोरी

नोखा, (कासं)। यहां कृषि उपज मंडी में एक गोदाम से गवार की चोरी का मामला सामने आया है। फौजी कॉलोनी निवासी व्यापारी संपतलाल चोरडिया ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

संपतलाल ने बताया कि वह मंडी में गोदाम नंबर 17 में अनाज का व्यवसाय करते हैं। गोदाम में 404 बैग गवार (वजन 202 क्विंटल) रखा था। 28 मई को जब वह मरोठी चौक निवासी गोपाल लूणावत के साथ गोदाम पहुंचे तो गोदाम का ताला टूटा मिला और सारा माल गायब था।

मौके पर एक सफेद इलेक्ट्रिक गाड़ी में नोखा निवासी रामरतन जाखड़ और अणखीसर निवासी जितेन्द्र कुलडिया मौजूद थे। दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ग्वार के बैग चोरी किए हैं। विरोध करने पर आरोपियों ने गोदाम पर जबरन ताला लगा दिया। व्यापारी का आरोप है कि बीकानेर बंगला नगर निवासी जगदीश कुलडिया ने डेढ़ महीने पहले गोदाम और लाइसेंस के बारे में पूछताछ की थी।

बिजली के खंभे में आग से मचा हड़कम्प

- दुकानें बंद करा डायवर्ट किया ट्रैफिक, दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया

सूरतगढ़, (कासं)। शाम को महाराणा प्रताप चौक पर बिजली के खंभे में अचानक आग लगने से बाजार में हड़कम्प मच गया। आहूजा क्लॉथ स्टोर और दुर्गा टैक्सटाइल के पास लगी इस आग की चपेट में आसपास की कपड़े की दुकानें आ सकती थीं, जिसके चलते दुकानदारों ने तुरंत अपनी दुकानें बंद कर दी।

आग की सूचना मिलते ही ट्रैफिक प्रभारी मूल सिंह शेखावत, पूर्व पार्षद सुनील छाबड़ा और शंकर नायक ने विद्युत विभाग, अग्निशमन और पुलिस को सूचित किया। ट्रैफिक पुलिस ने सड़क पर वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से डायवर्ट कर किसी अनहोनी को रोका। स्थानीय दुकानदार मोहनलाल गुप्ता ने साहस दिखाते हुए पड़ौस की दुकान की छत से रेत की बाल्टियों और गीली बोरी से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग बढ़ती रही।

तभी नगर पालिका की अग्निशमन गाड़ी मौके पर पहुंची। फायरमैन महेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र कड़वासरा, पूरणमल और चालक मनजीत सिंह ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया। इस घटना से बाजार में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी रही, लेकिन समय रहते स्थिति नियंत्रित होने से बड़ा नुकसान टल गया। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग और मोहनलाल गुप्ता के साहस की सराहना की। आगजनी की इस घटना को लेकर मंडी फीडर से होने वाली विद्युत सप्लाई करीब 1 घंटे तक बंद रखी गई। विद्युत विभाग अब खंभे में आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है।

हथियारबंद लोगों ने किया दंपती पर हमला

- 15 लोग दो गाड़ियों और बाइक पर सवार होकर फतेहगढ़ गोदारा बास ढाणी में किया हमला

हनुमानगढ़, (कासं)। एक किसान दंपती की खेत में स्थित ढाणी पर हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया।

टाउन पुलिस के मुताबिक फतेहगढ़ गोदाराबास की रहने वाली सरिता और उनके पति सुरेंद्र कुमार जाट खेत में बनी ढाणी में रहते हैं। घटना के समय गिरदावरी, विनोद, अजय, कशीराम, विक्की, वेदप्रकाश भांभू, रेशम सिंह, पार्वती, विजय और संजय समेत 15 लोग दो गाड़ियों और मोटरसाइकिल पर सवार होकर ढाणी में पहुंचे। विक्की के पास पिस्तौल थी और बाकी लोगों के हाथों में लाठियां थीं। हमलावरों ने सरिता पर लाठियां बरसाई। वह किसी तरह जान बचाकर ढाणी से बाहर निकली। उसने अपने पति को फोन किया जो उस वक्त खेत में पानी लगाने गया था। जब सुरेंद्र ढाणी की तरफ भागकर आया तो विक्की ने पिस्तौल से फायर कर जान से मारने की धमकी दी। हमलावर ढाणी से सोने की अंगूठी, कृषि औजार, चारपाई और अन्य सामान लूटकर ले गए। उन्होंने कमरों को भी नुकसान पहुंचाया और रोशनदान उखाड़ कर ले गए।

गुरू अर्जुनदेव का शहीदी पर्व आज

बीकानेर, (कासं)। गुरूद्वारा गुरूनानक दरबार लालगढ़ में सिक्खों के पांचवें गुरू अर्जुनदेव का 419 वां शहीदी गुरूपर्व श्रद्धा के साथ आज मनाया जायेगा।

अध्यक्ष बी.एस. गिल ने बताया कि 28 मई को सुबह 7 बजे निशान साहिब का चोला बदली सरदार हरप्रीत सिंह और सरदार पृथ्वीपालसिंह संधू द्वारा किया जायेगा। चोला बदली की सेवा बीबी बलजिंदर कौर थिंद द्वारा की गई। सुबह 9 बजे गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ प्रारंभ हुआ। 48 घंटे लगातार गुरूद्वारे में अखंड पाठ चलेगा जिसका भोग 30 मई को गुरूपर्व वाले दिन सुबह 9 बजे पड़ेगा। सुबह भोग के बाद दीवान सजाया जायेगा जिसमें स्थानीय रागी जत्थों के साथ मुक्तसर पंजाब से आकर डाडी जत्था भाई सुरेंद्र सिंह का जत्था इतिहास व्याख्यान करेगा।

लोक परिवहन वाहनों को बड़ी संख्या में जारी परमिट का विरोध

- राज्य के रोडवेज कर्मचारियों और रिटायर्ड एसोसिएशन ने विरोध जताया

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में लोक परिवहन वाहनों को बड़ी संख्या में परमिट जारी करने संबंधी अधिसूचना से राज्य के रोडवेज कर्मचारियों और रिटायर्ड एसोसिएशन में असंतोष देखने को मिल रहा है।

बीकानेर स्थित रोडवेज रिटायर्ड एसोसिएशन के सचिव गिरधारीलाल ने सरकार के इस कदम को रोडवेज जैसे सार्वजनिक उपक्रम के हितों के विरूद्ध बताया है। गिरधारीलाल ने बताया कि राजस्थान रोडवेज दशकों से प्रदेश की परिवहन व्यवस्था की रीढ़ रहा है। कोरोना महामारी के समय जब निजी परिवहन पूरी तरह से ठप था, तब रोडवेज ही जनता के लिए जीवन रेखा बना था। ऐसे विश्वसनीय संस्थान को दरकिनार कर निजी परिवहन को बढ़ावा देना जनता की सुविधा और सुरक्षा दोनों के लिए खतरा है।

उन्होंने कहा कि लोक परिवहन के संचालन में कई बार नियमों का उललंघन देखा गया है। परमिट की आड़ में अवैध संचालन, मनमाना किराया, यात्रियों की सुरक्षा की अनदेखी और सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने जैसी समस्याएं आम हैं। इसके अलावा, रोडवेज और लोक परिवहन कर्मचारियों के बीच आये दिन विवाद होते हैं, जिससे यात्रियों को असुविधा होती है और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित होती है। रिटायर्ड एसोसिएशन का स्पष्ट मानना है कि यदि सरकार परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाना चाहती है, तो उसे रोडवेज बेड़े में बसों की संख्या बढ़ानी चाहिए। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा, यात्रियों को सस्ती और सुरक्षित यात्रा मिलेगी। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और प्रमुख सचिव से मांग की है कि लोक परिवहन परमिट नीति पर पुनर्विचार किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संगठन धरना-प्रदर्शन करेगा।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्र. :- LU2012/SGN/2025-26/101383 **लोक सूचना** दिनांक : 27.5.2025

श्री हरीश रहेजा पुत्र श्री नन्द किशोर रहेजा निवासी 25 थर्ड ब्लॉक, उदाराम चौक, ग्रीन पार्क, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 7 ई छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री हरीश रहेजा पुत्र श्री नन्द किशोर रहेजा	चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 15 के किला नं. 4/21 में 0.0423 है. किला नं. 5/7 में 0.0354 है. में से 0.0321 है. किला नं. 7/6 में 0.0439 है. में से 0.009 है., यथाकुल 0.0834 हैक्ट.	कुल 0.0834 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सुचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 27.5.2025 को जारी की गयी। - प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/4036 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 28-05-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती लाजवंती पत्नी श्री सुरेश कुमार एवं श्री चन्द्रभान मित्तल पुत्र श्री सुरेश कुमार मित्तल निवासी वार्ड नं. 21, पदमपुर जिला श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 2 एमएल मुरब्बा नं. 69 किला नं. 4, 7, 8, 9 भूखण्ड संख्या 128, 131, 143 प्रत्येक माप 30 इन्टू 65 फीट एवं भूखण्ड संख्या 161, 162 प्रत्येक माप 30 इन्टू 60 फीट सीजीआर सिटी, श्रीगंगानगर	भूखण्ड संख्या 128 का पटटा संख्या 2621 दिनांक 27.11.2013 भूखण्ड संख्या 131 का पटटा संख्या 2617 दिनांक 27.11.2013 भूखण्ड संख्या 143 का पटटा संख्या 2614 दिनांक 27.11.2013 श्री आदित्य कुमार पुत्र श्री भूप सिंह एवं भूखण्ड संख्या 161 पटटा संख्या 4016 दिनांक 11.12.2014 एवं भूखण्ड संख्या 162 का पटटा संख्या 4013 दिनांक 11.12.2014 को श्री अमनदीप पुत्र श्री औमप्रकाश तरड़ के नाम से जारी किया हुआ है।	उक्त भूखण्डों को श्री सुरेश कुमार द्वारा जरिये पंजीकृत बैयनामा क्रय किये हुए है। श्री सुरेश कुमार की मृत्यु दिनांक 07.03.2023 को होने के उपरान्त इनके वारिसों श्रीमती लाजवंती एवं श्री चन्द्रभान मित्तल द्वारा समस्त भूखण्डों का नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्रीमती लाजवंती पत्नी श्री सुरेश कुमार एवं श्री चन्द्रभान मित्तल पुत्र श्री सुरेश कुमार मित्तल निवासी वार्ड नं. 21, पदमपुर जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री होल्ड पटटे के सम्बन्ध में कोई आपति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या:- SGNR/FY25-26/MUT/137, 138, 139, 141, 145 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

दादोजी शक्ति स्थल पर पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार दादोजी शक्ति स्थल पर विधायक जेठानंद व्यास ने पूजा- अर्चना की।

- मेला स्थल पर लगभग 9000 समाज बन्धुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर विधायक जेठानंद व्यास ने श्री ब्राह्मण स्वर्णकार दादोजी शक्ति स्थल पर पूजा अर्चना कर देश के खुशहाली की कामना की।

व्यास ने मेला स्थल पर पहुंचकर भक्ति और शक्ति के उपासना स्थल पर दादोजी-दादीजी के दर्शन किए। संस्था द्वारा मेला स्थल करमीसर से श्रीरामसर को जोड़ने वाली सड़क पर अंधेरा हटाने के लिए नगर निगम बीकानेर की ओर बिजली के पोल पर अस्थायी लाइट की व्यवस्था करवाई गई और कहा कि निकट भविष्य में इस व्यवस्था को स्थायी करवा दिया जायेगा। बीजेपी शहर अध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने नारी शक्ति की एकजुटता की सराहना करते हुए धर्म की आस्था पर कहा कि कितनी ही आंधी-तूफान आ जाए, भयंकर गर्मी पड़ जाए लेकिन आस्था से जुड़े सनातन धर्म के कार्य होते रहे हैं और आगे भी होते रहेंगे।

विधायक व्यास ने दादोजी महाराज के दर्शन उपरांत समाज की भूमि का अवलोकन भी किया। संस्था के निवेदन पर विधायक ने अपने कोटे से रसोईघर एवं कमरे बनाने की घोषणा की जिसका जनसमूह ने तालियां बजाकर स्वागत किया। समस्त ब्राह्मण स्वर्णकार दादोजी धर्मार्थ संस्था बीकानेर के तत्वावधान में समस्त समाज बन्धुओं की उपस्थिति में शक्ति स्थल पर दादोजी महाराज की पूजा - अर्चना एवं महाप्रसादी ग्रहण की। साय 6.15 बजे भोमराज सोनी, नंदलाल सोनी के नेतृत्व में आरती की गई। महाप्रसादी के अंतर्गत दादोजी को बूंदी, सब्जी, पुडी तथा दही मिश्रित ठूमर का भोग अर्पित किया गया। भोग सामग्री चांदमल सोनी की देखरेख मे तैयार की गई। महाप्रसादी के लिए रसद एवं अन्य सम्पूर्ण व्यवस्था नृसिंह सोनी, मनोज सोनी, रामस्वरुप सोनी, गुलाब सोनी, गणेश सोनी और खेमचंद सोनी ने बखूबी निभाई। लगभग 9000 बन्धुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

प्रसाद वितरण मे समाज के सभी बन्धुओ का भरपूर सहयोग मिला, यह व्यवस्था प्रकाशवीर, गुलाब, लोकेश, टीकमचंद, विजयकुमार, नृसिंग, रामस्वरूप, महेश आदि के नेतृत्व मे सम्पन्न हुयी। प्रसादी भण्डारण की व्यवस्था श्रीगोपाल स्वर्णकार एवं रवि सोनी द्वारा की गई। भेंट पेटी एवं रोकड़ काउंटर का जिम्मा हरिकिसन सोनी, कन्हैयालाल सोनी, चन्द्रप्रकाश, सुरेन्द्र सोनी के पास रहा।

प्रसादी के दौरान ठंडे जल की व्यवस्था युवराज सोनी की देखरेख मे शक्तिस्थल, मंदिर के बाहर एवं प्रसादी स्थल पर की गई। महाप्रसादी हेतु शिवकुमार एवं कैलाश सोनी ने अपना स्थान साफ- सफाई करवाकर उपलब्ध करवाया गया।

पंखे के करंट से मां-बेटे की मौत

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के खुईयां थाना क्षेत्र के गांव ढाणी राइकान में हुई दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर छा गई। गांव के निवासी किशन जाट की पत्नी व बेटे की फर्राटा पंखे में दौड़े करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। गुरूवार सुबह खुईयां थाना पुलिस ने मां-बेटे के शव पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंप दिए।

पुलिस के अनुसार प्रकाश (38) पुत्र शिशपाल जाट निवासी ढाणी राइकान पीएस खुईयां तहसील नोहर ने मर्ग दर्ज करवाते हुए बताया कि शाम करीब 4.30 बजे उसके भाई कृष्ण उर्फ किशन जाट के घर फर्राटा पंखा चल रहा था। उसके भाई कृष्ण उर्फ किशन जाट की पत्नी चन्द्रवती (33) ने फर्राटा पंखा उठाकर दूसरी जगह रखना चाहा तो पंखे में करंट की चपेट में आ गई। अपनी मां के चिल्लाने की आवाज सुनकर कृष्ण उर्फ किशन का नौ वर्षीय पुत्र कमलकेश भागकर आया तो वह भी करंट की चपेट में आ गया। करंट से मां-बेटा बुरी तरह झुलस गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.06.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

बीकानेर, पंच शती सर्कल, 115300700029353, श्री डुंगरगढ, 135300730039916, गंगानगर, रायसिंह नगर, 135100700038056, 135100730043254, रविन्द्र पथ, 117420700037742, 7769, 7777, 7798, 7800, 117420730043094, 3147, 3217, सूरतगढ राजस्थान, 135560730054706,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापा मारा

किशनगढ़ में वर्षों से नकली खाद बनाने वाली फैक्टरी भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज सहित 10 फर्जी खाद फैक्ट्रीयों में कार्रवाई की

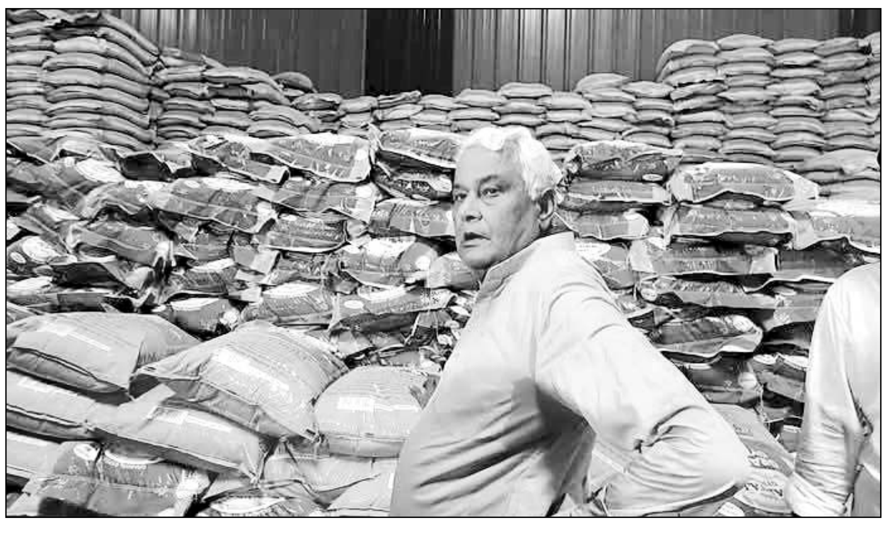

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने किशनगढ़ में नकली खाद बनाने वाली फैक्टरी पर छापा मारा।

- डीएपी, एसएसपी पोटाश और अन्य खाद नकली दाने से तैयार कर ब्रांडेड बैग्स में भरकर सप्लाई की जा रही थी
- कृषि मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि यह किसानों के साथ बड़ा धोखा है

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने किशनगढ़ में वर्षों से नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्री भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज सहित 10 फर्जी खाद फैक्ट्रीयों में अकस्मात छापामार कार्रवाई कर काले कारोबार का भांडाफोड़ किया। कार्रवाई से फैक्टरी मालिकों में हड़कंप मच गया। इंसान के साथ जानवरों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार यहां मिलीभगत से करीब 30 फैक्ट्रीयों में ब्रांडेड नकली खाद बनाकर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा था। बड़ी मात्रा में मौके पर नकली खाद मिलने पर कृषि मंत्री मीणा ने विभागीय अधिकारियों से सख्त लहजे में सवाल किये तो अधिकारी टालमटोल रवैया अपनाकर इधर-उधर झांकने लगे।

जानकारी के अनुसार कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने उदयपुर कला व किशनगढ़ में फर्जी खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर विभागीय टीम के साथ छापामार कार्रवाई की। मंत्री की मौजूदगी में डीएपी, एसएसपी पोटाश और अन्य खाद नकली दाने से तैयार कर ब्रांडेड बैग्स में भरकर सप्लाई की जा रही थी। कृषि मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि यह किसानों के साथ बड़ा धोखा है, इंसान के साथ जानवरों के जीवन के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कई फैक्ट्रीयों में जाकर मार्बल चूरा, बजरी व मिट्टी में रंग मिलाकर तैयार की जा रही खाद के नमूने जब्त किये। गौरतलब है कि धनाढ्य कारोबारियों द्वारा खाद फैक्टरी लगाकर बड़े लेवल पर नकली खाद तैयार किया जा रहा है। इनको विभागीय सरपरस्ती के अलावा अन्य विभाग के खुली छूट मिली हुई है, जिसके चलते इनके हौसले बुलंद है। कृषि मंत्री मीणा ने गोपनीय सूचना मिलने पर पहली बार छापा मारकर काले कारोबार का भांडाफोड़ किया है।

माफिया ने खातेदारी जमीन से एक करोड़ रुपये का जिप्सम खोदा

खान विभाग की टीम पहुंची, खनन क्षेत्र में मिट्टी डालकर जमीन समतल करने का प्रयास भी किया था

- फोरमैन ने हलका पटवार गुल्लूवाली के पटवारी को मौके पर बुलाया और छानबीन की, मुकदमा दर्ज करवाया
- खाजूवाला के ग्राम 2एचडबल्यूएम गुल्लूवाली का मामला, सरकार को एक करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ

बीकानेर, (निसं)। यहां माफिया गिरोह के लोगों ने खाजूवाला के ग्राम 2एचडबल्यूएम गुल्लूवाली में खातेदारी जमीन से एक करोड़ रुपए से ज्यादा का जिप्सम खोद डाला। प्रशासन की आंखों में धूल झोंकने के लिए खनन क्षेत्र में मिट्टी डालकर जमीन समतल करने का प्रयास भी किया गया है। अब पुलिस मामले की जांच करेगी।

जिले में जिप्सम माफिया सक्रिय है और लगातार अवैध खनन कर रहा है। खाजूवाला के ग्राम 2एचडब्ल्यूएम गुल्लूवाली में खातेदारी जमीन से मशीनें लगाकर लंबे समय से जिप्सम का अवैध खनन किया गया और एक करोड़ रुपए से ज्यादा का जिप्सम खोद डाला। खान विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि मुरब्बा नंबर 26/33 के रकबा 4.2993 में जिप्सम का अवैध खनन कर जमीन पर मिट्टी डालकर समतल करने का प्रयास किया गया है। माफिया गिरोह के लोगों ने 5175 टन जिप्सम खोद डाला जिससे सरकार को एक करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

फोरमैन अनुरुद्धसिंह भाटी ने हलका पटवार गुल्लूवाली के पटवारी को मौके पर बुलाया और पूरी छानबीन की। बड़े पैमाने पर जिप्सम का अवैध खनन सामने आने पर मौके पर पंचनामा तैयार किया गया और खाजूवाला पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। एफआईआर में बशीर खान व अन्य को नामजद किया गया है। खाजूवाला के ग्राम 2एचडब्ल्यूएम गुल्लूवाली में 5175 टन जिप्सम का अवैध खनन माना गया है। इतने बड़े पैमाने पर जिप्सम खनन हुआ। माफिया गिरोह के लोग लंबे समय से जेसीबी चलाकर गाड़ियां भरते रहे। जिप्सम का अवैध परिवहन होता रहा और स्थानीय प्रशासन और पुलिस को पता ही नहीं चला। खाजूवाला में वन विभाग की जमीनों पर भी जमकर अवैध खनन होता रहा है।

बीकानेर प्रदेश का सबसे गर्म जिला, पारा 44.8 डिग्री पार

मौसम विभाग के अनुसार 31 मई तक तापमान में वृद्धि का क्रम जारी रहेगा

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है। मई के अंतिम सप्ताह में जहां बीकानेर का तापमान सामान्यतः 43 डिग्री के आसपास रहता है, वहीं इस बार यह 45 डिग्री के करीब पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, 31 मई तक तापमान में वृद्धि का क्रम जारी रहेगा। रात हुई हल्की बारिश ने कुछ राहत प्रदान की। इसके कारण बुधवार की रात और गुरुवार की सुबह तापमान सामान्य रहा और लू का प्रकोप भी नहीं महसूस किया गया।

विभाग का अनुमान है कि दोपहर बाद तापमान बढ़कर 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राहत की बात यह है कि जून के पहले सप्ताह में गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 31 मई तक तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। इस वर्ष मानसून के भी समय से पहले आने की उम्मीद है। सामान्यतः जुलाई में आने वाला मानसून इस बार 3-4 दिन पहले बीकानेर पहुंच सकता है। यद्यपि वर्तमान में बीकानेर गर्मी की चपेट में है, परंतु आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद बनी हुई है।

कॉन्स्टेबल की मौत के बाद पुलिस प्रशासन जागा, कई जगह कार्रवाई की

बजरी माफियाओं के खिलाफ सर्च अभियान चलाया, दो सौ पुलिसकर्मियों ने 85 किलोमीटर दायरे में फैली कई पंचायतों में एक साथ रेड दी

- अवैध बजरी खनन एवं परिवहन का पता लगाकर अवैध बजरी ढुलाई में लगे अवैध वाहनों की धरपकड़ की, वांछित अपराधियों को भी पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन को लेकर दो दिन पहले लूणी थाने के एक जवान को अपनी जान गंवानी पड़ी। उसकी जान जाने के बाद कमिश्नरेट का पुलिस महकमा अब अलर्ट मोड पर आया है। सुबह सात बजे से दो सौ पुलिस कर्मियों की टीमों ने 85 किलोमीटर दायरे में फैली कई पंचायतों में एक साथ रेड दी है। लूणी, कुड़ी और विवेक विहार की ग्राम पंचायतों को चिह्नित कर एक साथ रेड दी गई है। अवैध बजरी खनन में प्रयुक्त अवैध वाहनों की धरपकड़ के साथ भारी मात्रा में बजरी का स्टॉक भी पकड़ा है। हालांकि दोपहर तक पूर्ण आंकड़ों पुलिस नहीं बता पाई। कार्रवाई जारी है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजर्षि राज ने बताया कि सुबह सात बजे से लूणी की 25 ग्राम पंचायतों, कुड़ी-विवेक विहार की पंचायतों को चिह्नित कर एक साथ रेड दी गई है। इसमें 8 एडीसीपी, 4 एसीपी, 13 एसएचओ-सब इंस्पेक्टर सहित 175 पुलिस कर्मियों को अलग अलग टीमें बनाकर लगाया गया है। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि पंचायतों में चिन्हित स्थानों पर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन का पता लगाया जाकर अवैध बजरी ढुलाई में लगे अवैध वाहनों की धरपकड़ की गई है, साथ ही वांछित अपराधियों को भी पकड़ा गया है। लूणी तहसील क्षेत्र में 25 ग्राम पंचायतें है जहां एक साथ रेड दी गई है। भारी मात्रा में बजरी का स्टॉक भी मिला है। कई सारे भारी हल्के वाहनों को भी सीज किया गया है।

डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज ने कांस्टेबल सुनील की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि पिछले पांच माह से जिला पश्चिम में अवैध बजरी के खनन एवं परिवहन को लेकर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। कईयों की संपत्ति भी सीज की गई है। साथ ही भारी मात्रा में अवैध बजरी का स्टॉक का भी निस्तारण किया गया है। 18 नाकों पर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन पर निगाह रखी जा रही है। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन को लेकर 18 नाकें कार्य कर रहे है। आने जाने वाले मार्गों पर सख्त नजर रखी जा रही है।

एडमिशन के नाम पर 1.5 लाख रुपये की ठगी

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ स्थित सारण नगर सी रोड पर रहने वाली एक लड़की का एनएनएम में दाखिला करवाने के नाम पर उसके पिता से एक व्यक्ति ने 1.5 लाख रुपए ऐंठ लिए। मगर उसकी लड़की का दाखिला नहीं हो पाया। जब वापस रुपए मांगे गए तो वह टालमटोल जवाब देता रहा। इस पर पीड़ित की तरफ से अब बनाड़ थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी गई है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि मूलतः भावी बिलाड़ा हाल सारण नगर सी रोड बनाड़ निवासी शंकरलाल जाट ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया है कि उसके एक परिचित भंवरलाल ने उसकी बेटी का एनएनएम में दाखिला कराने का झांसा देकर 1.50 लाख रुपए ऐंठ लिए, मगर उसकी बच्ची का दाखिला नहीं करवा पाया। बनाड़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

धवा डाकघर शाखा में लगे कार्मिक पर 2.50 लाख के गबन का आरोप

कार्मिक ने प्रविष्ठियों में व्हाइटनर लगाकर हिसाब-किताब को खुर्द-बुर्द किया

- वर्ष 2022 के वार्षिक निरीक्षण के समय शाखा डाकघर धवा में इस प्रकार की अनियमितताएं होना पाई गई थी

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती झंवर स्थित धवा शाखा डाकघर में कार्यरत एक कार्मिक के अपने कार्यकाल की 16 माह की अवधि में गबन किए जाने का मामला सामने आया है। उस पर आरोप है कि उसने 2.50 लाख रुपयों का गबन किया और प्रविष्टियों में छेड़छाड़ करते हुए उन्हें व्हाइटनर से साफ कर दिया। जब ऑडिट चैकिंग हुई तब इसका खुलासा हुआ। अब डाक विभाग प्रबंधन की तरफ से कार्मिक के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाया गया है। मामला डाक अधीक्षक विभाग के देवाराम पुत्र हरचंद राम की तरफ से दर्ज कराया गया है। पुलिस की तरफ से इसमें अब जांच आरंभ की गई है।

रिपोर्ट में आरोप है कि जीवाराम पूनिया ग्रामीण डाकसेवक शाखा डाकपाल (पुट ऑफ ड्यूटी) धवा शाखा डाकघर लेखा कार्यालय पाल द्वारा धवा (पाल) शाखा डाकघर स्थित सुकन्या समृद्धि खाता, बचत बैंक खातों और आवर्ती जमा खातों के जमाकर्ताओं द्वारा जमा की जाने वाली राशि को उनके खातों की पासबुकों में अपने हस्ताक्षरयुक्त फर्जी/झूठी प्रविष्टियां करके धवा शाखा डाकघर में कार्यरत रहते हुए 2 लाख 50 हजार 400 रुपए की सरकारी राशि का गबन किया गया। वर्ष 2022 के वार्षिक निरीक्षण के समय शाखा डाकघर धवा में इस प्रकार की अनियमितताएं होना पाई गई थी। शाखा डाकघर के सुकन्या समृद्धि खातों, आवर्ती जमा खातों एंव बचत बैंक खातों की पासबुक में डाकपाल द्वारा जमा राशि की प्रविष्टि करके सरकारी मद में हिसाब में नहीं लेने और कई प्रविष्टियाँ सफेदी व्हाइटनर लगाकर मिटाये जाने के मामले प्रकाश में आए। जिसमें लगभग 44 सुकन्या समृद्धि खातों में रुपए 2,03,800 राशि का, 7 आवर्ती जमा खातों में रुपये 10,600 की राशि का और 2 बचत बैंक खातों में रुपये 36000 राशि का दुर्विनियोजन किया गया। इस प्रकार कुल मिलाकर 2 लाख 50 हजार 400 रुपए का गबन किया गया। जीवाराम पूनिया शाखा डाकपाल धवा (पाल) ने 19 अप्रेल 2021 से 10 अगस्त 2022 तक शाखा डाकपाल धवा (पाल) के पद पर कार्यरत होने के समय सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा खाता योजना और बचत बैंक के खातों की पासबुक में जमा की फर्जी प्रविष्टियाँ दिखाकर तथा असपष्ट तारीख मोहर लगा दी गई। राशि का गबन उक्त अवधि में किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने दुष्कर्म कर फरार हुए आरोपी को बुधवार को दबोच लिया। विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि पीड़ित पक्ष ने 1 मई को थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। आरोपी ने नाबालिग का फायदा उठाकर और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया। विराटनगर थानाधिकारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा घटना से फरार अभियुक्त सुरेश कुमार बावरिया पुत्र रामकरण बावरिया की तलाश करते हुए भीलवाड़ा से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया एवं अपहर्ता को दस्तयाब किया।

दो बदमाशों को दबोचा

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध धारदार हथियार लेकर घूमते दो बदमाशों को दबोचा है और उनके पास से धारदार दो छुरें भी बरामद किये है। दोनों ही नशा करने के आदी है और नशा पूर्ति के लिए, नकबजनी और स्नेचिंग की वारदात करते हैं। इसके अलावा चोरी छुपे घूम-घूम कर शहर में स्मैक भी बेचते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध धारदार हथियार लेकर घूमते सद्दाम और फैसल खान को गिरफ्तार किया है।

कॉन्स्टेबल ने सरकारी कार्मिक से 80 हजार रुपए वसूले

आरोपी कॉन्स्टेबल

- मामले में भीलवाड़ा एसपी ने कांस्टेबल को गिरफ्तार करके सस्पेंड कर दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल क्षेत्र में एक बार फिर खाकी के दामन पर दाग लग गया, नानकपुरा चौकी पर तैनात कांस्टेबल हंसराज गुर्जर कई दिनों से गिरोह बनाकर लोगों को ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने का कार्य कर रहा था। वहीं कल एक सरकारी कार्मिक से 80 हजार रुपए ऑनलाइन वसूले, जिसकी भनक भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक को लग गई और कांस्टेबल को गिरफ्तार करके सस्पेंड कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नानकपुरा के रिहायशी इलाके में युवती के साथ बैठे सरकारी अधिकारी को छोड़ने की एवज में कॉन्स्टेबल ने पांच लाख रुपए की मांग कर दी। इसके बाद 80 हजार रुपए अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए। वहीं बाकी की रकम अगले दिन देने के बाद उसे छोड़ दिया। पीड़ित सरकारी विभाग के अधिकारी ने वहां से जाने के बाद उसकी शिकायत भीलवाड़ा एसपी से कर डाली। मामले में एसपी ने हाथों हाथ एक्शन लेते हुए कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर गिरफ्तार करने के आदेश दे दिए। शिकायत मिलने के बाद आरोपी कांस्टेबल हंसराज गुर्जर को सस्पेंड करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। उससे मामले को लेकर डिटेल इन्वेस्टिगेशन की जा रही है।

बुधवार देर रात सरकारी विभाग का एक अधिकारी युवती से मिलने पहुंचा था। इस दौरान कुछ लड़के वहां पहुंचे और उसके बाद कॉन्स्टेबल भी वहां पहुंचा। आरोप है कि हंसराज ने अधिकारी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। मामला रफा-दफा करने की एवज में पांच लाख की डिमांड करने लगा। इसके बाद हंसराज ने अपने अकाउंट में 80 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी करवाए थे। बाकी की रकम बाद में देने की बात हुई थी। इसके बाद पीड़ित अधिकारी भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह के पास शिकायत लेकर पहुंच गया। शिकायत के सत्यापन के बाद एसपी ने मामले में एक्शन लिया। मामले की जांच गुलाबपुरा पुलिस उपाधीक्षक कर रहे हैं।

धोखाधड़ी का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। गंज थाना क्षेत्र में बैंड संचालक द्वारा घोड़ी खरीद कर उसके पैसे न चुकाने और धोखाधड़ी से घोड़ी दूसरे व्यक्ति को बेचने का मामला सामने आया है। पीड़ित सोनू ने बैंड संचालक महेश शर्मा सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात व संपत्ति के गबन का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है, पुलिस ने मामले की जांच में जुटी है।

गंज थाना एएसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित सोनू ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया कि 22 दिसंबर 2024 को बैंड संचालक महेश शर्मा उसके पास आया और दो घोड़ी खरीदने की बात कही। सौदा तय होने के बाद महेश शर्मा दोनों घोड़ी छह लाख रुपए में खरीदकर अपने साथ ले गया, लेकिन तयशुदा रकम सोनू को अभी तक नहीं दी गई। जब सोनू ने पैसे मांगे तो महेश ने टालमटोल रवैया अपना लिया और रकम देने से इनकार कर दिया। पीड़ित सोनू ने शिकायत में बताया गया है कि आरोपी महेश ने घोड़ी को अपने पास रखने के बजाय पंचशील नगर निवासी राकेश भाट को बेच या सौंप दी है। आरोपी ने जान-बूझकर घोड़ी को खुर्द-बुर्द कर दिया और पीड़ित को न तो घोड़ी लौटाई और न ही पैसे दिए। पीड़ित सोनू ने बताया कि उसके बार-बार बकाया रुपए मांगने के बावजूद आरोपी रकम नहीं लौटाई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म के बाद वीडियो वायरल करने की धमकी दी, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर जिले की एक युवती को जोधपुर लाकर युवक ने गेस्ट हाउस में ठहराया। उसके साथ दुष्कर्म किए जाने के साथ धमकियां दी। उसके फोटो वीडियो वायरल करने को कहा। पीड़िता को नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म किया गया था। ब्लैकमेल की धमकियां मिलने पर पीड़िता ने उदयमंदिर थाने में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि जैसलमेर जिले की एक युवती रेलवे स्टेशन जोधपुर के सामने एक गेस्ट हाउस में आया था, जहां पर युवती को युवक ने नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके फोटो वीडियो बना लिए। बाद में युवती पर दबाव बनाने के लिए वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता के साथ मारपीट भी की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि युवक दो साल से यौन शोषण करता आ रहा है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का रलावता ग्राम पंचायत से राज्य स्तरीय शुभारंभ

अजमेर जिले की ग्राम पंचायत रलावता में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ।

- केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बीज रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

अजमेर, (कासं)। भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित कृषि संकल्प अभियान का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। राज्य स्तरीय शुभारंभ ग्राम पंचायत रलावता में किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कार्यक्रम को संबोधित किया और बीज रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये आगामी 15 दिनों तक किसानों को योजनाओं, तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने का कार्य करेगा।

कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र तबीजी के तत्वावधान में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देना, मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग और प्राकृतिक खेती के महत्व को समझाना, वैज्ञानिकों और किसानों के बीच संवाद स्थापित करना और किसानों से नवाचार के अनुभव लेना है। यह अभियान 29 मई से 12 जून तक देशभर के 20 राज्यों के 700 जिलों के 65 हजार से अधिक गांवों में चलाया जाएगा। इस दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि मंत्रालय की 2,170 वैज्ञानिक टीमें लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद करेंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह अभियान किसानों को हस्तक्षेप और कृषि में नवाचार को जोड़ने वाला एक राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार का हर निर्णय विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में समर्पित है और इसका सबसे मजबूत आधार हमारे अन्नदाता किसान हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं एक कृषक परिवार से हैं और खेती से जुड़ा उनका जीवन अनुभव इस बात को सिद्ध करता है कि आज के समय में वैज्ञानिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के समुचित उपयोग से खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। चौधरी ने कहा कि खेती अब एक उद्योग का रूप ले रही है। आने वाला समय इसे देश की सबसे बड़ी इंडस्ट्री बना देगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़कर वैज्ञानिकों से संवाद करें और नई तकनीकों को अपनाकर अपनी खेती को लाभदायक बनाएं।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन जैसे क्षेत्रों में किसानों को वैज्ञानिकों के माध्यम से सीधे उनके गांवों में जाकर योजनाओं की जानकारी देगा। मीणा ने कहा कि किसानों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी के अभाव में परंपरागत खेती पर निर्भर रहना पड़ता है। इस अभियान के माध्यम से किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित किया जाएगा तथा उन्हें योजनाओं के लाभ और सब्सिडी की जानकारी देकर उनकी आमदनी बढ़ाई जाएगी।

कर्ण कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलगुरू डॉ. बलराज सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने अभियान की परिकल्पना, उद्देश्य एवं कार्य योजना की जानकारी दी। एनआरसीएसएस, अजमेर के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और किसानों की सहभागिता को सराहनीय बताया।

उद्यान विभाग के आयुक्त सुरेश ओला ने विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की। ग्राम पंचायत रलावता के सरपंच महेश कुमावत ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात डॉ. बलराज सिंह के नेतृत्व में पशुपालन, कृषि, बागवानी विभागों के अधिकारियों, राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र तथा कृषि अनुसंधान उप केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ किसानों की संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान, ग्रामवासी, पंचायतीराज प्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एस.एम.एस. अस्पताल में किशोरी के पेट से निकाला दुनिया का सबसे लंबा ट्राइकोबेज़ोआर

210 सेंटीमीटर लंबा बालों का गोला, अब तक का विश्व रिकॉर्ड

जयपुर। राजस्थान के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सकों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है। आगरा उत्तर प्रदेश के बरारा गांव की एक 14 वर्षीय किशोरी के पेट से 210 सेंटीमीटर लंबा ट्राइकोबेज़ोआर (बालों का गोला) निकाला गया। जो अब तक का दुनिया का सबसे लंबा ट्राइकोबेज़ोआर बताया जा रहा है। इससे पहले का रिकॉर्ड 180 सेंटीमीटर का था।

एसएमएस अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. जीवन कांकरिया ने बताया कि किशोरी कक्षा 10 की छात्रा है और वह मिट्टी, चॉक, लकड़ी और धागे खाने की आदत, जिसे मानसिक विकार पिका कहते हैं, से ग्रसित थी। यह आदत उसने कक्षा 6 से शुरू की थी, जो धीरे-धीरे गंभीर होती गई। किशोरी पिछले एक महीने से पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के चलते इलाज करा रही थी। जांच में पेट से नाभि तक

ऑपरेशन करने वाली एस.एम.एस. के चिकित्सक डॉ. जीवन कांकरिया और टीम।

फैली एक सख्त गांठ पाई गई। सीईसीटी स्कैन से पता चला कि पेट में असामान्य वस्तु मौजूद है।

लैपरोटॉमी सर्जरी के दौरान चिकित्सक यह देखकर हैरान रह गए कि बालों का यह गोला केवल पेट तक सीमित नहीं था, बल्कि छोटी आंत के डिस्टल इलियम तक फैला हुआ था। सर्जरी लगभग दो घंटे चली और इसमें खून चढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। डॉक्टरों ने इसे एक ही टुकड़े में निकालने में सफलता पाई, जिससे आंतों में अतिरिक्त चीरे लगाने से बचा जा सका।

डॉ. कांकरिया ने कहा कि यह केस रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया जाएगा क्योंकि यह न केवल लंबाई में सबसे बड़ा ट्राइकोबेज़ोआर है, बल्कि इसे सुरक्षित निकालना चिकित्सा कौशल की एक मिसाल है। सर्जरी के बाद मरीज की हालत स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही है। इस दुर्लभ और जटिल सर्जरी को एसएमएस अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. जीवन कांकरिया और उनकी टीम ने अंजाम दिया। ऑपरेशन में डॉ. राजेन्द्र बुगालिया, डॉ. देवेंद्र सैनी, डॉ. अमित, और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. सुनील चौहान सहित कई चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल रहे।

महाराणा प्रताप की शौर्य गाथाएं हर दिल में भरती हैं ऊर्जा : दिया कुमारी

महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती पर जयपुर के झोटवाड़ा में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

जयपुर। वीरता, आत्मसम्मान और त्याग के प्रतीक महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती पर जयपुर के झोटवाड़ा में आयोजित भव्य समारोह में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को देशभक्ति और शौर्य के वास्तविक अर्थ से परिचित कराना था।

दीया कुमारी ने अपने संबोधन में कहा, महाराणा प्रताप का जीवन साहस, स्वाभिमान और बलिदान की मिसाल है। उनका संघर्ष हमें यह सिखाता है कि न्याय और आत्मगौरव के लिए किसी भी परिस्थिति में डटे रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हल्दीघाटी जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर कुछ भ्रामक तथ्यों वाले शिलालेख लगाए गए थे, जिनमें महाराणा प्रताप को पराजित बताया गया था। बतौर सांसद रहते हुए उन्होंने इन शिलालेखों को हटवाकर सही ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर नए शिलालेख स्थापित करवाए। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके प्रयासों से मेवाड़ क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं स्वीकृत हुईं, जिनमें महाराणा प्रताप सर्किट और स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है। यह पहल न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का काम करेगी, बल्कि युवाओं में गौरव और प्रेरणा का संचार भी करेगी। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रही वीरता की गायन प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति की लहर जगा दी। समारोह में मौजूद लोगों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। दीया कुमारी ने कार्यक्रम के समापन पर कहा, महाराणा प्रताप की शौर्य गाथाएं आज भी हमारे दिलों में नई ऊर्जा भरती हैं। यह आयोजन न केवल उन्हें श्रद्धांजलि देने का माध्यम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उनकी प्रेरणा से जोड़ने का भी एक सशक्त प्रयास है।

इस मौके पर महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम में श्री श्री 1008 जगत जी महाराज, श्रवण सिंह बगड़ी, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, बर्दी सिंह राजावत विक्रम सिंह मुंडोता दिलीप सिंह सगवाड़, महेन्द्र कंवर, देवेंद्र कंवर, सीमा कंवर एवं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप संस्थान झोटवाड़ा के सदस्यगण एवं सम्माननीय समाजबंधु उपस्थित रहे।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना के द्वितीय चरण में भी दिखा निवेशकों का उत्साह

- 464 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, ई-लॉटरी 5 जून को

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में निवेशकों के साथ निष्पादित हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिये राज्य सरकार पूर्ण रूप से कटिबद्ध है। निवेशकों को औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध कराने के लिए रीको ने प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 माह मार्च में प्रारंभ की, जिसे निवेशकों का भरपूर प्रोत्साहन मिला। माह मार्च-2025 में प्रारंभ हुए प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के प्रथम चरण में निवेशकों का अत्यधिक उत्साह देखा गया जिसके पश्चात् मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान इंपेक्ट 1.0 के कार्यक्रम में इस योजना के समय विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि जो निवेशक 30 अप्रैल तक राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करेंगे वह भी इस योजना में भूखण्ड आवंटन हेतु पात्र होंगे। एमओयू करने वाले उद्यमियों की रूचि को देखते हुए रीको ने इस योजना के द्वितीय चरण में 98 विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 7100 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध करवाये। योजना में विभिन्न श्रेणियों/वर्गों के लिए भी भूखण्ड आरक्षित किये गये हैं जिनमें से अनूसूचित जाति/जनजाति के लिये 253, महिला वर्ग के लिये 224, भूतपूर्व सैनिकों के लिये 118, बेंचमार्क दिव्यांगता के लिये 151 तथा सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक आश्रित के लिये 62 भूखण्ड हैं। करीब 6300 भूखण्ड अनारक्षित हैं।

इस योजना में 15 से 28 मई तक ऑनलाइन आवेदन माँगे गये। रीको को आवेदन की अंतिम तिथि तक 464 आवेदन प्राप्त हुये हैं। औद्योगिक भूखण्डों के लिये इतनी अधिक संख्या में आवेदन प्राप्त होना निवेशकों का राज्य सरकार की नीतियों पर पूरा भरोसा दर्शाता है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत निवेशकों को 88 औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन कर दिया गया है।

प्रमुख शासन सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रीको अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार एमओयू को धरातल पर लाने के लिये भरपूर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं विभाग के स्तर पर एमओयू की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना के द्वितीय चरण में रीको के 98 औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 7100 भूखण्ड निवेशकों के लिये उपलब्ध कराये गये थे जिससे वे अपने उद्यम की आवश्यकता एवं रूचि के आधार पर सरलता से आरक्षित दर पर भूखण्ड प्राप्त कर सकें।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि योजना के द्वितीय चरण के अंतर्गत 30 अप्रैल तक एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों को भूखण्ड प्राप्त करने का अवसर दिया गया है। इसके अंतर्गत 464 आवेदन प्राप्त हुये हैं। जिन भूखण्डों पर एक ही आवेदन आया है, उनको डायरेक्ट ही ऑफर लेटर जारी कर दिया जायेगा तथा जिन भूखण्डों पर एक से ज्यादा आवेदन आये हैं, उनकी ई-लॉटरी 5 जून को निकाली जायेगी। तत्पश्चात् निवेशकों को तीन दिन में ही ऑफर लेटर जारी कर दिये जायेंगे, जिससे निवेशक अपनी औद्योगिक इकाई अतिशीघ्र प्रारंभ कर सकें।

नड्डा कल जयपुर आएंगे

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा 31 मई को जयपुर आएंगे। अहिल्याबाई होल्कर पर देश भर में आयोजित हुए कार्यक्रमों में राजस्थान दूसरे स्थान पर रहा, इसलिए जयपुर में बड़े स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। यहां देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में पार्टी की ओर से आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के समापन समारोह में भाग लेंगे।

इस वर्ष एलआईसी का लाभ 18.38 फीसदी अधिक रहा

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निदेशक मंडल ने 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिये स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी और स्वीकृत किया।

31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिये कर के बाद लाभ 48151 करोड़ रुपये रहा, जबकि गत वर्ष से यह वृद्धि 18.38 फीसदी दर्ज की गई। निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन वित्तीय वर्ष 24-25 के लिये प्रति शेयर 12 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिये कुल प्रीमियम आय 488148 करोड़ रुपये रही जो गत वर्ष को यह 475070 करोड़ रुपये थी। 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान व्यक्तिगत रुप से कुल 17782975 पॉलिसियां बेची गईं। गत वर्ष को समाप्त वर्ष के दौरान इन पॉलिसियों की संख्या 20392973 थी।

नये व्यवसाय का मूल्य 10011 करोड़ रुपये रहाप जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 4.47 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। शुद्ध वीएनबी मार्जिन 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिये 80 बीपीएस से बढ़कर 17.6 फीसदी हो गया।

राज्य सेवा के अधिकारियों के विरुद्ध 16 मामलों का निपटारा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्टाचार एवं कदाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध लंबित अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति के 16 विचाराधीन प्रकरणों का निस्तारण किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के अंतर्गत 5 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की तथा धारा 17-ए के एक प्रकरण में विस्तृत जांच एवं अनुसंधान की अनुमति प्रदान की है। इसी तरह कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न के प्रकरण में दोषी अधिकारी को सेवा से हटाया गया है। वहीं, पद के दुरूपयोग के साथ राज्य सरकार को वित्तीय हानि पहुंचाने की जांच के एक प्रकरण में आरोपित अधिकारी को राजकीय सेवा से बर्खास्त किया गया है। इसी तरह सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 9 अधिकारियों की पेंशन रोके जाने की कार्यवाही की गई है तथा 5 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन भी किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेवारत 3 अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम 16 के तहत 2 वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोके जाने का निर्णय किया गया है। वहीं, एक प्रकरण में प्रस्तुत अपील को खारिज करते हुए 17 सीसीए में प्रदत्त दंड को यथावत रखा गया है।

'उद्योगों को बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढलने और मिलकर समाधान खोजने की जरूरत है'

जयपुर। अनिश्चित और अप्रत्याशित वैश्विक परिस्थितियों ने अनुकूल उद्योगिक तरीके अपनाने और सहयोगात्मक समाधानों की महत्ता को जरूरी बना दिया है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान और संभावित रणनीतियों का निर्माण आज की आवश्यकता बन गया है। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (राजस्थान) द्वारा आयोजित राउंडटेबल में "अपॉर्च्यूनिटीज इन द मिडस्ट ऑफ करंट ग्लोबल अनसर्टेनिटीज" विषय पर गहन चर्चा की गई। यह जानकारी आईसीसी राजस्थान चैप्टर की चेयरपर्सन, जयश्री पेरीवाल ने दी।

उन्होंने आगे बताया कि इस चर्चा की रूपरेखा आईसीसी मेबर्स रवि पोद्दार और मनुज गोयल ने तैयार की। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी निर्णयकर्ताओं और पॉलिसी को प्रभावित करने वालों के बीच अर्थपूर्ण संवाद को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस सत्र में राजेश जोशी, अमित

आईसीसी राजस्थान ने वैश्विक अनिश्चितताओं और उद्योग की प्रतिक्रिया पर राउंडटेबल का आयोजन किया।

भार्गव, रवि गोयनका, उदय परनामी, विज्ञान लोढ़ा और बृंदा रूंगटा ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। राउंडटेबल चर्चा का समापन जयकृष्ण जाजू के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पहल विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच तैयार करने, नीतिगत बदलावों के साथ व्यावसायिक प्राथमिकताओं को संरेखित करने और राजस्थान के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने की आईसीसी राजस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस से पहले उठी सशक्त नीतियों की मांग

जयपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई) को लेकर राजस्थान तंबाकू मुक्त अलायंस की ओर से गुरुवार को जयपुर के एक निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और नीति निर्माण से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया और तंबाकू उद्योग के षड्यंत्रों को उजागर करने हेतु मीडिया की भूमिका को निर्णायक बताया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अलायंस के अध्यक्ष डॉ. रमेश गांधी ने इस वर्ष की थीम "आकर्षण का पर्दाफाश करें। स्वाद, योजकों, विपणन रणनीतियों और धोखाधड़ीपूर्ण उत्पादों के माध्यम से तंबाकू उद्योग के षड्यंत्र को उजागर करें पर प्रकाश डाला।

राजस्थान में गुरुवार को कोविड के 15 नए केस आए सामने

- जयपुर सबसे अधिक प्रभावित, एम्स जोधपुर में 10 मरीज भर्ती

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर कोविड मामलों में हल्का उछाल देखने को मिला है। गुरुवार को प्रदेशभर से कुल 15 नए कोविड केस सामने आए हैं। जयपुर में सबसे अधिक 9 मामले मिले हैं, जबकि जोधपुर और उदयपुर से 2 और 4 संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 13 मरीज वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 10 मरीज एम्स जोधपुर में, जबकि जेके लोन, ईएचसीसी और साकेत अस्पताल जयपुर में एक-एक मरीज उपचाराधीन हैं।

जानकारी के अनुसार कोविड के नए केस सबसे अधिक जयपुर में 9 नए केस सामने आए है। इनको मिलाकर अब तक 26 केस हो चुके है। इसी प्रकार राज्य के उदयपुर में 4 नए केस कुल 8, जोधपुर में 2 नए केस कुल 8, अन्य जिलों में अभी स्थिति स्थिर बनी हुई है। संक्रमितों की उम्र और प्रोफाइल की बात करें तो जोधपुर में 44 और 35 वर्षीय दो महिलाएं, उदयपुर में 29 व 59 वर्षीय पुरुष, 31 व 32 वर्षीय महिलाएं और जयपुर में 28 केस है, जिनमें संक्रमित 34, 34, 35, 21 वर्षीय पुरुष व 17, 55, 68, 71 वर्षीय महिलाएं शामिल है। अब तक का आंकड़ों की बात की जाएं तो 2025 में कुल केसों की संख्या 54 पहुंच चुकी है जिसमें अभी तक एक मौत हो चुकी है जबकि जयपुर में 13 मरीज भर्ती है, जिनका उपचार चल रहा है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने संक्रमण की रोकथाम के लिए निगरानी बढ़ाने और अस्पतालों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। विशेषज्ञों ने बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

रबी के सीजन में किया बिजली का समुचित प्रबंधन : हीरालाल नागर

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने रबी के सीजन में समुचित प्रबंधन कर प्रदेश में बिजली की कोई

- 'गर्मी में भी नहीं आने देंगे कोई कमी'

कमी नहीं आने दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गर्मी के इस मौसम में भी उत्पादन, प्रसारण, वितरण सहित सभी विद्युत निगमों के अधिकारी पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने गुरूवार को विद्युत भवन में ऊर्जा विभाग की समीक्षा की।

नागर गुरूवार को विद्युत भवन में ऊर्जा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरडीएसएस, स्मार्ट मीटरिंग, पीएम-कुसुम मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं में गति को बढ़ाएं। जहां अधिक विद्युत छीजत हो, वहां विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने, फीडर पृथक्कीकरण के साथ ही सतर्कता अभियान चलाकर बिजली चोरी को प्रभावी रूप से रोका जाए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ एमओयू किए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन एमओयू को चरणबद्ध रूप से यथाशीघ्र क्रियान्वित किया जाए ताकि प्रदेश की भावी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके।

नागर ने इस दौरान राज्य सरकार द्वारा बजट में घोषित ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जीएसएस निर्माण में भूमि चयन सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं जल्द पूरी कर कार्यों की गति और बढ़ाएं ताकि प्रदेश में प्रसारण तंत्र को और मजबूत किया जा सके। बैठक के दौरान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा ने बताया कि राज्य में पावर सप्लाई की व्यवस्था सामान्य है। मई और जून के माह में हीटवेव की चेतावनी को देखते हुए विद्युत मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त इंतजाम पहले से ही कर लिए गए हैं। विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता के कारण कहीं कोई कटौती नहीं की जा रही है।

प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि प्रभावी मॉनीटरिंग के माध्यम से ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण कार्यों को मिशन मोड पर पूरा किया जा रहा है। बीते करीब डेढ़ साल में प्रदेश में 400 केवी, 220 केवी तथा 132 केवी के कुल 30 ग्रिड सब स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त 133 ग्रिड सब स्टेशनों के काम मौके पर चल रहे हैं। जिन्हें निर्धारित समयावधि में पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

उत्पादन निगम के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि 11 विभिन्न केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ अक्षय ऊर्जा एवं तापीय ऊर्जा की परियोजनाओं के लिए एमओयू किए गए हैं। जिनमें से एनटीपीसी, कोल इंडिया तथा एनएलसी के साथ परियोजनाओं पर संयुक्त उद्यम समझौते निष्पादित किए जा चुके हैं तथा कंपनी गठन का कार्य प्रगति पर है। एनजीईएल के साथ एनटीपीसी राजस्थान ग्रीन एनर्जी लिमिटेड कंपनी का गठन किया जा चुका है। यह कंपनी रिन्यूबल एनर्जी के क्षेत्र में 25 गीगावाट क्षमता की स्थापना के लिए 1 लाख करोड़ का निवेश करेगी। जोधपुर एवं अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

बावड़ियों के संरक्षण के लिये विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

जयपुर। राजस्थान की प्राचीन विरासत और जल संरचनाओं में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली बावड़ियों के संरक्षण एवं संवर्द्धन को लेकर राज्य सरकार ने ठोस पहल शुरू कर दी है। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप राजस्थान की बावड़ियों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग एवं पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बावड़ियों के संरक्षण हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करें। इस कार्ययोजना में बावड़ियों के पुनरुद्धार, पानी के प्रवाह मार्गों की मरम्मत, डिसिल्टिंग और कचरा निस्तारण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित उपमुख्यमंत्री कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य की बावड़ियों को पूर्ण रूप से संचालन में लाने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए बायलॉज में परिवर्तन के निर्देश

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार को लेकर गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित उपमुख्यमंत्री कार्यालय के सभागार में एक अहम बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि आवश्यक हो तो बायलॉज में बदलाव कर हवेलियों के संरक्षण और पुनर्निर्माण को प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने इस दिशा में सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश कुमार यादव, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग निदेशक पंकज धरेन्द्र, तथा पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक (विकास) राजेश शर्मा उपस्थित रहे। इसके अलावा झुंझुनू, चूरू और सीकर के जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में इस क्षेत्र में कार्यरत विषय विशेषज्ञों ने भी वर्चुअल रूप से भाग लिया।

बडलियास में अवैध बजरी भरे छह ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त, बजरी माफ़िया में हड़कंप

सिफारिश के लिए बजरी माफिया के गुर्गे थाने के बाहर जमा हुए

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ डीएसपी बाबूलाल विश्नोई ने बडलियास थाना क्षेत्र में बजरी माफ़िया पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बनास नदी से अवैध बजरी खनन कर परिवहन करते 6 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और बजरी माफ़िया के गुर्गे बडलियास थाने के बाहर सिफारिश के लिए जमा हो गये, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के आदेशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन में सूचना के आधार पर जीवाखेड़ा, दोवनी गांव के पास बनास नदी में पुलिस टीम के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान बनास नदी से अवैध खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भरकर बेड़च नदी की ओर ले जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने पीछा कर बेड़च नदी की पुलिया के पास छह ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाकर कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि बडलियास और निकट में चित्तौड़गढ़ जिले के बड़ाखेड़ा की दूरी महज 2 किलोमीटर होने और दो जिलों की सीमा का मामला होने से बड़ाखेड़ा में हजारों टन बजरी के अवैध स्टॉक लगा रखे हैं। बड़ाखेड़ा में बजरी स्टॉक से सैकड़ों ट्रेलर, डम्पर में बजरी लोडिंग किया जाता है, जो चित्तौड़गढ़ जिले सहित मध्यप्रदेश तक माफ़िया गिरोह बजरी सप्लाई करता है।

मांडलगढ़ के बडलियास थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध बजरी भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।

- जीवाखेड़ा, दोवनी गांव के पास बनास नदी में पुलिस टीम के साथ सर्च ऑपरेशन में कार्रवाई की

पुलिस के मुताबिक जब्त बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बिना नम्बरी हैं, जब्त किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के साथ खनिज और परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है। बडलियास थाना क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि बजरी माफ़िया जीवाखेड़ा, दोवनी के पास बनास नदी में बेख़ौफ़ होकर अवैध बजरी खनन कर रहा हैं, रोजाना बजरी भरी सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली बड़ाखेड़ा (चित्तौड़गढ़) जिले ले जाई जा रही हैं, लेकिन बड़ाखेड़ा के स्टॉक पर खनिज विभाग न पुलिस कार्रवाई करती हैं।

एक पिस्टल, पांच कारतूस सहित एक जना गिरफ्तार

आरोपी के विरुद्ध पूर्व में पुलिस थाना किशनगंज में डकैती की योजना व एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज हैं

पुष्कर पुलिस ने एक व्यक्ति को पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में राजस्थान पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान में पुष्कर पुलिस ने गुरुवार को एक व्यक्ति को पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है।

सीआई विक्रम सिंह ने बताया कि उप महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज ओमप्रकाश के निर्देशानुसार जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाामीण दीपक कुमार,सीओ ग्रामीण रामचंद्र चौधरी अजमेर के सुपरविजन में पुष्कर थाना क्षेत्र के थाना अधिकारी विक्रम सिंह द्वारा टीम का गठन कर अवैध हथियार के विरुद्ध कार्रवाई हेतु अभियान चलाया गया। इसी क्रम में 28 मई को आर्म्स एक्ट के तहत जिला स्पेशल टीम के सीताराम कसाना रामनिवास के जरिए मुखबिर द्वारा सूचना मिलने पर संदिग्ध जालम सिंह पुत्र गुमान सिंह रावणा निवासी ढेर बांसेली पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में पुलिस थाना किशनगंज में डकैती की योजना व एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा पुलिस थाना मांगलियावास में डकैती की योजना व आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज है तथा पूर्व में आर्म्स एक्ट में अभियुक्त जालम सिंह के पास एक पिस्टल वह दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। 28 मई को देवनगर रोड चित्रकूट धाम के पास सरकारी पानी की टंकी के पास अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना विश्वसनीय होने पर सूचना से पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने त्वरित कार्यवाही करत हुए सूचना के आधार पर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति जालम सिंह पुत्र गुमान सिंह की तलाशी ली गई तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास एक पिस्टल मय पांच कारतूस जिंदा मिले। उक्त हथियार के लाइसेंस के संबंध में पूछा गया तो लाइसेंस नहीं होना बताया तो अभियुक्त को मौके पर गिरफ्तार कर मौके पर अवैध हथियार जब्ती की कार्रवाई की गई तथा आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया।

गांजा तस्कर की 2.1 की करोड़ संपत्ति फ्रीज

आरोपी की अब तक 2.29 करोड़ की संपत्ति फ्रीज हुई

जोधपुर, (कासं)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जोधपुर इकाई ने नशा (गांजा) तस्करी पर अंकुश लगाते हुए एक तस्कर की 2.1 करोड़ की संपत्ति को फ्रीज किया है। नशा तस्करी पर एनसीबी की तरफ से आर्थिक प्रहार किया गया है। उसकी अब तक 2.29 करोड़ की संपत्ति को फ्रीज किया जा चुका है। आरोपी द्वारा छह वाहनों को खरीद नशा कारोबार से की गई। उसके छह वाहनों को जब्त किया गया है।

जोनल के डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर क्षेत्रीय इकाई द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त एक कुख्यात गांजा तस्कर की 2,01,49,768 मूल्य की संपत्ति जब्त कर एक उपलब्धि हासिल की गई है। यह कार्रवाई विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। त्वरित एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए एनसीबी की टीम ने एक बोलेरो पिकअप को मोगड़ा से गुड़ा विश्नोई की ओर जाते हुए रोका। तलाशी के दौरान वाहन के पिछले हिस्से में तिरपाल के नीचे छिपाए गए 71 पैकेट गांजा बरामद किए गए थे। बाद में अभियुक्त के निवास स्थान पर की गई छापेमारी में 99 पैकेट गांजा और बरामद किए गए। कुल 866.600 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। नशा तस्करी के आरोपी ने अवैध राशि से छह वाहनों की खरीद की थी जिसमें एक जेसीबी, एक भारी वाहन, तीन टाटा ट्रक सिंघना और एक बाइक है। इन छह वाहनों का बाजार मूल्य 2,01,49,768 आँका गया है, जिसे अवैध कारोबार से अर्जित बताया गया। जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि अभी तक इस प्रकरण में कुल 2 करोड़ 29 लाख की अवैध संपत्ति की जब्ती की जा चुकी है।

नाबालिग से कुकर्म, आबकारी कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। 16 वर्षीय नाबालिग के साथ कुकर्म के मामले में आबकारी विभाग के कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी प्रताप सिंह (58) को पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कौशिक ने पॉक्सो कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

घटना सोमवार रात करीब नौ बजे आबकारी कार्यालय में हुई। पीड़ित किशोर ने आबकारी कार्यालय के दो कर्मचारियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने मौके का निरीक्षण किया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया। डीएसपी कौशिक ने पीड़ित और आरोपी से पूछताछ की। पूछताछ में मुख्य आरोपी प्रताप सिंह ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी चूरू जिले के ढाढर गांव का रहने वाला है। वह सेना में 16 साल की सेवा के बाद 2012 से अनूपगढ़ आबकारी निरोधक दल में कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत था।

चोरी की वारदात का खुलासा, तीन गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के ग्राम लाडाकाबास की ढाणी खेड़ी में गत दिनों रहवासी घर में चोरी के मामले में प्रागपुरा थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गत 20 मई को रात घर के चौक में सो रही महिला के साथ अज्ञात चोरों ने लूटपाट की। रात करीब 12.55 बजे दो अज्ञात बदमाश घर में घुस कर महिला के गले से सोने का ताबीज और नाक की नथ तोड़कर ले गए थे। पीड़ित महिला श्रवण देवी के पुत्र प्रकाश ने सुबह पुलिस थाना प्रागपुरा ने मामला दर्ज करवाया। पीड़िता श्रवण देवी (24) उमराव गुर्जर निवासी ग्राम पंचायत लाडाकाबास की ढाणी खेड़ी की पावर ग्रिड के पास थाना प्रागपुरा सोमवार रात पूरे परिवार के सोने के बाद रात 12.55 बजे दो बदमाश मकान का मुख्य द्वार खोलकर घर में घुस गए और चौक में सो रही श्रवण देवी के साथ लूटपाट कर दी। वारदात का खुलासा करते हुए मनोज उर्फ राकेश उर्फ गुल्या मुकेश कुमार उर्फ लक्की पुत्र रामावतार उर्फ धर्मपाल बावरिया, रॉकी उर्फ आदेश को गिरफ्तार किया।

अचानक आई बारिश के बाद किसान फिर से खेतों में जुटे, उन्नत बीजों की भारी मांग

ओलावृष्टि के जख्म अभी भरे नहीं, लेकिन जेठ माह की वर्षा ने किसानों में नई उम्मीद जगा दी

सादुलपुर, (निसं)। जेठ के इस तपते महीने में आई अचानक बारिश ने जैसे खेतों में फिर से जीवन भर दिया। किसानों के सूने चेहरे फिर से खिल उठे हैं। जिन खेतों को मार्च में खाली छोड़ दिया गया था, वे अब फिर से तैयार हो चुके हैं।

- राजस्थान में ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है, वहीं जसवंतपुरा के किसान ऊंट से अपने खेत की बीजाई में जुटे हैं

बरसात के चलते नीमा गांव की रोही में ऊंट से खेत के बिजाई करता किसान।

जानकारी के अनुसार किसान न केवल फिर से सक्रिय हो गए हैं, बल्कि इस बार उन्नत किस्म के बीजों की खरीदारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। जो सरसों गई, वो गई... अब इस बार मोटा अनाज ही उम्मीद है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2025 की वो शाम जब आसमान से ओले बरसे थे, आज भी गांवों के किसानों के मन में ताजे हैं। सरसों की तैयार खड़ी फसल को ओलावृष्टि ने ऐसा मारा कि न केवल दाना चौपट हुआ, बल्कि किसान का हौसला भी टूट गया था। खेतों में खामोशी छा गई थी, और हर आंख मुआवजे की आस में टिकी थी जो अब तक पूरी नहीं हुई है।

ऊंट की वापसी बनी चर्चा का विषय:- राजस्थान में ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है। जसवंतपुरा के किसान अर्जुन लाल प्रजापत ने ऊंट से अपने खेत की बीजाई में जुटे हैं। वे बताते हैं कि उनके पिता और दादा भी ऊंट से ही खेत तैयार करते थे, और आज भी यह परंपरा जिंदा है।

खेतों में फिर से जान, बाजारों में बीज की धूम :-नीमा की कृषि दुकानों पर पिछले दो दिनों से किसानों की भीड़ लगी हुई है। विशेष रूप से हाइब्रिड बाजरा, रिसर्च बीज की मांग बढ़ी है। किसान मानते हैं कि यदि वर्षा इसी तरह साथ देती रही, तो पिछली हानि की कुछ भरपाई इस खरीफ से की जा सकती है। एक तरफ ओलावृष्टि की पीड़ा अब भी किसानों के मन में है, दूसरी ओर जेठ माह की बारिश ने उन्हें नई ऊर्जा दी है। अगर अब सरकार समय पर बीज, मुआवजा और तकनीकी सहयोग दे, तो किसान फिर से उभर सकते हैं।

बहन-बहनोई पर 54 लाख की एफडी हड़पने का आरोप

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे को लेकर भाई-बहन के बीच विवाद गहरा गया है। भाई ने अपनी बहन व बहनोई पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते लगाते हुए मां की एफडी से उसका हिस्सा दिए बिना 54 लाख रुपए हड़पने का मुकदमा कोर्ट के माध्यम से थाने में दर्ज कराया है। मामले में कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी, विश्वासघात एवं आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया

जौसगंज निवासी मुकेश शर्मा ने अपनी सगी बहन चारुल शर्मा और बहनोई बृजेश शर्मा पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए 54 लाख रुपए की एफडी हड़पने का मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित मुकेश के अनुसार उसकी मां पदमा शर्मा ने एसबीआई बैंक जेएलएनएच शाखा में 54 लाख रुपए की एफडी करवाई थी। इस एफडी में शुरुआत में मुकेश को नॉमिनी बनाया गया था, लेकिन बाद में उसकी बहन चारुल ने कथित रूप से धोखे से मां की इच्छा के विरुद्ध नाम बदलवाकर स्वयं को नॉमिनी बनवा लिया। आरोप है कि मुकेश को नॉमिनेशन परिवर्तन की जानकारी तक नहीं दी गई और मां की मृत्यु के बाद चारुल शर्मा व उसके पति ने एफडी की पूरी रकम अपने खाते में स्थानांतरित करवा ली। मुकेश का कहना है कि संपत्ति का कोई वसीयतनामा नहीं था, ऐसे में सभी कानूनी उत्तराधिकारियों का बराबर का हक बनता है। अगस्त 2024 में जब मुकेश ने अपने हिस्से की रकम की मांग की, तो बहन-बहनोई ने दीपावली के बाद राशि देने का आश्वासन दिया। लेकिन 6 जनवरी 2025 को दोबारा मांग करने पर भी रकम नहीं दी गई। पीड़ित का आरोप है कि अब आरोपी रकम खुद हड़पकर विदेश भागने की फिराक में हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब बैंक से एफडी से संबंधित दस्तावेज, नॉमिनेशन परिवर्तन के प्रमाण एवं खातों का ब्योरा तलब कर रही है। वहीं दोनों पक्षों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

मानसून पूर्व आनासागर झील के गेट आज खुलेंगे

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में मानसून सक्रिय से पूर्व जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आनासागर झील के पानी का जलस्तर 13 फीट से घटाकर 10 फीट करने के लिए शुक्रवार सुबह 10 बजे झील के गेट खोले जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में मानसून में भारी बारिश के मद्देनजर झील में सहित आस-पास की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या से बचाव के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में जिला प्रशासन, नगर निगम, सिंचाई विभाग और एडीए के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि झील के डाउन स्ट्रीम क्षेत्रों में बसे निवासियों को जल निकासी की पूर्व सूचना देने के लिए नगर निगम को मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बारिश के दौरान पानी की अधिक आवक होने की स्थिति में नगर निगम एवं अजमेर विकास प्राधिकरण को सुरक्षा गार्ड की विशेष व्यवस्था करने के आदेश दिए गए हैं। झील के गेट संचालन की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग को सौंपी गई है। गौरतलब है कि शहर के अधिकांश नालों का पानी सीधे आनासागर झील में पहुंचता है, जिससे पूरे वर्ष जलस्तर 13 फीट के आसपास बना रहता है। मानसून में तेज बारिश होने पर झील के किनारे बसी कॉलोनियों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। पिछले वर्ष भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई थी।

- प्रशासन ने जलस्तर 13 फीट से घटाकर 10 फीट करने का निर्णय लिया

इनामी बदमाश गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले में वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर टीम जोधपुर ग्रामीण ने एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसपी ग्रामीण राममूर्ति जोशी ने बताया कि बिलाड़ा थाने में पिछले सात साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश रवि उर्फ रविंद्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी तिलवासनी का रहने वाला है और रामस्वरूप उर्फ मेहताराम का पुत्र है। पकड़े गए बदमाश को अठिाम अनुसंधान के लिए बिलाड़ा थाने को सौंप दिया गया है। गिरफ्तारी में साइबर टीम के कॉन्स्टेबल रामचंद्र सिंह, पुखराज, सेठाराम, किशोर दुकतावा और प्रकाशचंद्र शामिल रहे। जिला पुलिस अधीक्षक ने टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

संस्कार और संस्कृति से ही संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य सुरक्षित : राज्यपाल बागड़े

''विधानसभा कल, आज और कल'' विषय पर मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला आयोजित

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। मर्यादाओं में निसंदेह कुछ गिरावट आई हैं, लेकिन हमारे संस्कार और संस्कृति इतनी समृद्ध है कि संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य दोनों सुरक्षित है। राज्यपाल बागड़े गुरूवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित ''विधानसभा कल, आज और कल'' विषयक मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की। पूर्व अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, शांतिलाल चपलोत और डॉ. सीपी जोशी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे।

समारोह को संबाधित करजे हुये राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पहले सदन में विषय पर अधिक चर्चा होती थी, अब विषयान्तर अधिक होने लगी है। विधेयक पर बहस में जनप्रतिनिधि रूचि से भाग नहीं लेते, जबकि उस पर तथ्यात्मक बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन में अलग-अलग विचारधारा के लोग होते हैं, इसके बावजूद पहले उनमें आपस में एक दूसरे के प्रति सम्मान भाग होते थे, लेकिन अब कटुता अधिक रहती है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों का ध्येय जन कल्याण पर केंद्रित होना चाहिए। बागड़े ने कहा कि राजस्थान में विधानसभा संचालन उत्कृष्ट रूप से हो रहा है। कार्यक्रम में उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, महाराणा प्रताप कृषि एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. अजीत कर्नाटक, जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. एसएस सारंगदेवोत, पूर्व कुलपति डॉ. आई वी त्रिवेदी सहित शिक्षाजगत से जुड़े कई प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। अंत में आभार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र की निदेशक रश्मि बोहरा ने व्यक्त किया।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा आज देश के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं। विधानसभा की कार्यवाही को यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रदेश की 8 करोड़ जनता

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित कार्यशाला को राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

सीधे देख सकती है। इससे सदस्यों के आचरण व व्यवहार में सुधार आएगा तथा पारदर्शिता भी कायम हो रही है। राजस्थान विधानसभा पेपरलैस हो रही है। सभी विधायकों को आईपेड दिए हैं तथा पहली बार में ही 70 प्रतिशत से अधिक विधायकों ने इसका उपयोग करते हुए पेपरलैस वर्क को अपनाया। देवनानी ने कहा कि सदन का अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए पीठासीन अधिकारी को सख्त होना पड़ता है, लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं कि आसन पर ही सवाल उठाए जाने लगें। उन्होंने पीठासीन अधिकारी की तुलना मां से करते हुए कहा कि जिस प्रकार मां बच्चे की हरकतों से परेशान होकर उसे घर से चले जाने के लिए कह देती हैं, लेकिन उसके वापस नहीं लौटते तक उसके गले से निवाला नहीं उतरता है, ऐसा ही आसन के साथ भी है। सदन के सभी सदस्य उसका परिवार है, इसलिए सदस्य को वापस बुलाया जाता है, उसके लिए पक्ष-विपक्ष दोनों से चर्चा की जाती है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि समय के साथ सभी चीजों में बदलाव हुआ है। सकारात्मक बदलावों का स्वागत है, लेकिन विधेयक पर स्वस्थ चर्चा में कमी आना ठीक नहीं है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की अवधारणा प्राचीनकाल से चली आ रही है। भगवान श्री राम का दौर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। भगवान ऋषभदेव, महावीर स्वामी के दौर में भी यही व्यवस्था थी। वर्तमान संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में विधायिका महत्वपूर्ण घटक है। यह विधान निर्माण के साथ ही कार्यपालिका के कामकाज को भी नियंत्रित करती है। पहले के दौर में विधायिका का माहौल देखने योग्य था, अब इसमें गिरावट आई है। विधायी कार्यों में भी कमी आई है। जनप्रतिनिधियों के आचारण में गिरावट आई है। जनप्रतिनिधि रिश्वत लेते पकड़े जा रहे हैं, यह दौर कहां ले जाएगा यह सोचने वाली बात है। चपलोत ने राजस्थान में द्विसदनीय व्यवस्था पर भी जोर दिया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना से बात प्रारंभ करते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना प्रस्तावना में निहित है।

- राजस्थान विधानसभा आज देश के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं : देवनानी

इस बार मुझे आरसीबी के चैंपियन बनने का पूर्वाभास हो रहा है। बेंगलुरु के लिए सीजन के दूसरे हाफ में कुछ मुकाबले कठिन रहे हैं, लेकिन वॉटसन का मानना है कि जोश हेजलवुड की वापसी होने से इस साल आरसीबी के चैंपियन बनने की संभावना प्रबल हो गई है। - शेन वाटसन

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, आरसीबी की जीत को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बजरंग पूनिया

पहलवान बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। उस दौरान बजरंग पूनिया ने कोच नरेश दहिया की छवि धूमिल करने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। बजरंग ने विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के साथ मिलकर बृज भूषण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था जिसमें उन पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बजरंग पूनिया ने अपने माफीनामे में कहा कि, मैं विरोध प्रदर्शन के समय हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोच नरेश दहिया के खिलाफ किए गए गलत और बयान के लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं।

क्या आप जानते हैं ?... गुजरात और मुंबई के बीच पिछले 3 सीजन में 5 मैच खेले गए हैं। इस दौरान गुजरात ने 3 मैच जीत हैं, वहीं मुंबई को 2 मुकाबलों में जीत मिली है।

तीसरे राउंड में हिकारू नाकामुरा को हराकर गुकेश ने की वापसी

स्टवान्गर (नोर्वे), 29 मई। विश्व चैंपियन गुकेश डोमाराजू ने नोर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए हिकारू नाकामुरा को हराकर खिताब की अपनी दावेदारी को मजबूत

कर लिया। इससे पहले गुकेश को पहले दो राउंड में मैग्नस कार्लसन और अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा था। आज अपना 19वां जन्म दिन मना रहे डी गुकेश ने 42 चालों में विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नाकामुरा को मात दी। अब चौथे राउंड में गुकेश का सामना फैबियानो कारूआना से ही होगा। गुकेश अभी पांचवें स्थान पर है जबकि शीर्ष पर अमेरिका के फैबियानो कारूआना है। नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में फिर से भारतीय स्टार हम्पी कोनेरू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सरसादत खादेमालशारीह के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। हम्पी कोनेरू ने शुरुआत से ही प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी पर बेहतरीन खेल के जरिए दबाव बनाये रखा और जीत हासिल की।

आज से शुरू होगा गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट

नैनीताल, 29 मई। उत्तराखंड के नैतीताल में शुक्रवार से शुरु होने वाला 20वां गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट एक जून तक चलेगा। उत्तराखंड राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने राजभवन में आयोजित गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में गुरुवार को कहा कि कल से शुरु होने वाले गोल्फ टूर्नामेंट में छह वर्ष के बच्चे से लेकर 80 वर्ष तक के सुपर वेटरन हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में सुपर वेटरन कैटेगरी 75 वर्ष से अधिक आयु के छह, वेटरन (65 से 75) आयु वर्ग में 32, सामान्य वर्ग के 95, महिला वर्ग के 11 खिलाड़ी, जूनियर गोल्फर्स 33, जिसमें 19 बालक और 14 बालिका खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देशभर के विभिन्न राज्यों से 177 गोल्फर प्रतिभाग करेंगे। इस वर्ष टूर्नामेंट में एशियाई खेलों के (गोल्फ) स्वर्ण पदक विजेता एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अमित लूथरा तथा भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान, पद्मश्री एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित जफर इकबाल भी भाग ले रहे हैं।

भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में जीते 11 पदक

सुहल (जर्मनी), 29 मई। भारतीय एथलीटों ने आईएसएसएफ 2025 जूनियर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते। जर्मनी के सुहल में 19 से 27 मई तक आयोजित आईएसएसएफ टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 57 सदस्यीय भारतीय दल गया था। टूर्नामेंट में नारायण ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित जूनियर टीम स्पर्धा और 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष इवेंट में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीता, जबकि मुकेश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। एक अन्य एथलीट अनुष्का ठोकुर ने 50 मीटर 3पी जूनियर महिला स्पर्धा के फाइनल में सफलतापूर्वक जगह बनाई, लेकिन फाइनल में 7वें स्थान पर रहीं। टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले अकादमी के सभी आठ एथलीटों ने जीएनएसपीएफ के फ्लैगशिप प्रोग्राम प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षण लिया।

डीसीसीआई ने इंग्लैंड के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के लिये घोषित की भारतीय टीम

नई दिल्ली, 29 मई। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने 21 जून से इंग्लैंड के साथ होने वाली ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच सीरीज के लिये 16 सदस्यीय भारतीय पुरुष मिश्रित दिव्यांग टीम की गुरुवार को घोषणा की। डीसीसीआई ने 21 जून से तीन जुलाई तक इंग्लैंड में होने वाली इस सीरीज के लिये रवीन्द्र गोपीनाथ सांते को भारतीय टीम का कप्तान बनाया है। अन्य खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है:- विक्रांत रवीन्द्र केनी, राधिका प्रसाद, राजेश इरप्पा कन्नूर, योगेन्द्र सिंह (विकेटकीपर), नरेन्द्र मंगोरे, साई आकाश, उमर अशरफ, वीरेंद्र सिंह (उप-कप्तान), संजू शर्मा, अभिषेक सिंह, विवेक कुमार, विकास गणेशकुमार, प्रवीण नेलवाल, ऋषभ जैन और तरुण है। इस सीरीज का आयोजन इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के सहयोग से किया जा रहा है। इस सीरीज में सात मैच खेले जायेंगे। इस अवसर पर डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा, यह श्रृंखला संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने के बारे में है। लॉर्ड्स 'क्रिकेट का घर' में खेलना किसी भी क्रिकेटर के लिए एक सपना होता है।

पाकिस्तान ने टी-20 मैच में बांग्लादेश को 37 रनों से हराया

लाहौर, 29 मई। कप्तान आगा सलमान (56), शादाब खान (48) और हसन नवाज (44) की शानदार पारियों के बाद हसन अली (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने पहले टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को 37 रनों से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में बुधवार रात खेले गये टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र पांच रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के दो गुट हुए

मुझ पर लगाया गया भ्रष्टाचार का आरोप साबित करो वरना मुकदमा दर्ज करवाऊंगा : बियाणी

जयपुर, 29 मई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में पिछली कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किए गए वित्तीय घोटालों की जांच करने के लिए राज्य सरकार ने आरसीए एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इस एडहॉक कमेटी में कन्वीनर जयदीप बिहाणी सहित सभी 6 सदस्य विमल शर्मा, धनंजय सिंह, धर्मवीर सिंह, रतन सिंह, हरिशचंद्र सिंह को सदस्य बनाया गया था। कई महीनों तक इस एडहॉक कमेटी ने क्रिकेट को नए पंख लगाए। कई नए ओर सीनियर खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिला। जिससे राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के काम को सराया गया। लेकिन आईपीएल को लेकर बयानबाजी, सदस्यों की शिकायतो के बाद उनकी जांच कराने के बाद उपजे विवाद से आरसीए एडहॉक कमेटी दो गुटों में बंट गई। एडहॉक कमेटी में बिखराव के बाद एक गुट में जयदीप बिहाणी के साथ विमल शर्मा और चार सदस्यों के विरोधी गुट का नेतृत्व कर रहे धनंजय सिंह, रतन सिंह, हरीशचंद्र सिंह और धर्मवीर सिंह के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर ही चलते आ रहे है। हर सुबह एक नया आरोप एक दूसरे पर लगाते हैं।

नया विवाद जिसकी शिकायत सीएम भजनलाल तक पहुंची : राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी में विवाद गहराता जा रहा है। अब नया विवाद कन्वीनर जयदीप बियाणी पर 1.50 करोड़ रुपए की धांधली के आरोप चार अन्य सदस्यों ने लगाए है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से भी की गई है। एडहॉक कमेटी के सदस्य और पाली जिला क्रिकेट संघ के सचिव धर्मवीर सिंह शेखावत ने बिहाणी पर आरोप लगाते हुए कहा कि बैंक खाते से पैसा विड्रोवल करने के लिए एडहॉक कमेटी ने अप्रेल 2024 को बिहाणी और धर्मवीर साईनिंग आथोरिटी होंगे। उन्होने बताया कि पहले आरसीए के बैंक अकाउंट में जयदीप बिहाणी के साथ सिग्नेचर अर्थॉरिटी धर्मवीर सिंह थे लेकिन कन्वीनर बिहाणी ने मनमर्जी से बिना कमेटी से पूछे विमल शर्मा को बैंक अकाउंट सिग्नेचर अर्थॉरिटी दे दी लेकिन अब बिना रिजोलुशन पास करवाए बैंक से बिहाणी व विमल शर्मा पैसे का लेनदेन कर रहे है। अब कोई इसमें चेंज करता है, तो वह भी एडहॉक कमेटी से ही होगा। अभी तक 1.60 करोड का पेमेंट हो चुका है।

जिस प्रकार से आरसीए एडहॉक कमेटी ने क्रिकेट के हित में फैसले लिए हैं, वो संविधान विरुद्ध नहीं हैं। एडहॉक कमेटी द्वारा आरसीए के कर्मचारियों, कोचों, खिलाड़ियों, ढ़ाउंड स्टाफ के खातों में सीधे ही पेमेंट भेजने का काम किया ताकि भ्रष्टाचार खत्म किया जा सके। मुझे तो मीडिया के माध्यम से पता चला था कि मैंने 1.50 करोड़ का घपला किया है। इन सभी ने मिलकर मुझ पर आरोप लगाया है तो साबित करो, नहीं तो मैं इन सभी पर आपराधिक और मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाउंगा। **- जयदीप बिहाणी, कन्वीनर, आरसीए एडहॉक कमेटी**

बैंक में जाकर हमने बात कही तो बैंक ने खाता फ्रिज कर दिया। बैंक को हमने चार दिनों का अल्टीमेटम दिया है कि किस कानून के तहत से आपने मेरा सिग्नेचर चेंज कर के बिमल शर्मा के सिग्नेचर से बदला। दो घंटे के अंदर ही जयदीप बिहाणी और विमल शर्मा ने करोड़ों रुपयों को इधर से उधर कर दिया। कुल मिलाकर जयदीप बिहाणी ने मुझे टार्गेट कर रखा है । **- धर्मवीर सिंह, एडहॉक कमेटी सदस्य**

बिहाणी ने बीकानेर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को किया रद्द

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सीएससी विवाद दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। पाली जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द करने के बाद अब बीजेपी विधायक और एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने गुरुवार को बीकानेर जिला क्रिकेट संघ पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए मान्यता को रद्द कर दिया। इसके बाद बीकानेर जिला क्रिकेट संघ ने जयदीप बिहाणी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

बिहाणी ने बताया कि बीकानेर जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ काफी शिकायतें मिल रही थी। जयदीप बिहाणी ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा अपने पत्र दिनांक 10.05 2025 क्रमांक 69 के माध्यम से जिला क्रिकेट संघ बीकानेर से विभिन्न जानकारियां / सूचनाएं चाही गयी थी एवं इस हेतु 7 दिवस का समय दिया गया था। दिया हुआ वक्त गुजरने के बाद राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा पुन: 19 मई एवं पत्र दिनांक 27.05.2025 जारी किया जाकर जवाब दिनांक 28.05.2025 तक अपेक्षित किया गया। परन्तु बीकानेर क्रिकेट संघ द्वारा ना तो चाही गयी जानकारियां उपलब्ध नहीं करायी गयी।

इसके बाद कमेटी द्वारा बीकानेर जिला क्रिकेट संघ को एक नोटिस भी जारी किया गया। लेकिन नोटिस का भी जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद राजस्थान खेल अधिनियम धारा 30 सी के तहत कमेटी ने बीकानेर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द करने का फैसला किया है। जयदीप बिहाणी ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में किसी भी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिस भी जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत मिलेगी। उनकी नियमों के तहत जांच करवाई जाएगी, अगर जांच में वह दोषी पाए जाएंगे तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिहाणी ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को लेकर बेवजह विवाद पैदा किया जा रहे हैं। जिसका गलत प्रभाव राजस्थान क्रिकेट और खिलाड़ियों पर नजर आ रहा है। हम भविष्य में राजस्थान के खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए क्रिकेट गतिविधियों का सुचारू संचालन करेंगे। जल्द ही डोमेस्टिक क्रिकेट की गतिविधियां शुरू होगी जिससे युवा प्रतिभाओं को मंच मिल सकेगा।

बियाणी को जिला संघ को निलंबित करने का अधिकार ही नहीं है। यह आदेश असंवैधानिक है। मुझे यह आदेश ना आज मंजूर है और ना ही कल होगा। बियाणी के खिलाफ तो खुद ही जांच चल रही है। उन पर तो करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोप है। **- रतन सिंह**

पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू आईपीएल के फाइनल में

मुल्लांपुर, 29 मई। सुयश शर्मा और जॉश हेजलवुड (तीन-तीन विकेट) और यश दयाल (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद फिल साल्ट (नाबाद 56) की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के क्वालीफायर वन मुकाबले में पंजाब किंग्स आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

आज यहां रॉयल चैलेंजर्स टीम के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 50 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। दूसरे ही ओवर में यश दयाल ने प्रियांश आर्य (सात) को आउट कर बेंगलुरु को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने प्रभसिमरन सिंह (18) को अपना शिकार बना लिया।

चौथे ओवर में पंजाब का तीसरा विकेट कप्तान श्रेयस अय्यर (दो) को जॉश हेजलवुड ने आउट किया। जॉश इंग्लिस (चार) भी हेजलवुड का शिकार बने। नेहाल वढेरा (आठ), शशांक सिंह (तीन), मुशीर खान (शून्य) पर आउट

हुये। मार्कस स्टॉयनिस ने पंजाब के लिए सर्वाधिक (26) रनों की पारी खेली। अजमतउल्लाह ओमरजई ने (18) रन बनाये। रॉयल चैलेंजर्स के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पंजाब की पूरी टीम 14.1 ओवर में 101 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। सुयश शर्मा और जॉश हेजलवुड ने तीन-तीन विकेट लिये। यश दयाल ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। रोमारियो शेफर्ड और भुवनेश्वर कुमार को एक-एक विकेट मिला।

102 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की फिल साल्ट और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 30 रन जोड़े। चौथे ओवर में काइल जेमीसन ने विराट कोहली (12) को आउटकर पंजाब को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मयंक अठावाल (19) मुशीर खान का शिकार बने। इस दौरान फिल साल्ट ने चौको छक्को की बरशात जारी रखी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। फिल साल्ट ने 27 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 56) रन बनाये। कप्तान रजत पाटीदार आठ गेंदों मे (15) रन बनाकर नाबाद रहे।

बीसीसीआई ने की ऑस्ट्रेलिया, द. अफ्रीका के साथ होने वाली सीरीज के कार्यक्रम की घोषणा

मुंबई, 29 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली सीरीजों के लिए कार्यक्रम की घोषणा की। बीसीसीआई ने आज बताया कि इस वर्ष के आखिरी में ऑस्ट्रेलिया की महिला और पुरुष 'ए' क्रिकेट टीमें तथा दक्षिण अफ्रीका की पुरुष 'ए' टीम भारत दौरे पर आयेगी। इस वर्ष सितंबर में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ होने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी।

एकदिवसीय सीरीज के सभी मैच चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जायेंगे। पहला मैच 14 और दूसरा 17 तथा सीरीज का अखिरी मुकाबला 20 सितंबर को होगा। यह सीरीज महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के लिए तैयारी के मद्देनजर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आखिरी बार दोनों टीमों के बीच एकदिवसीय सीरीज दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई थी। सीरीज में मेजबान टीम ने 3-0 से जीत दर्ज की थी। बीसीसीआई के अनुसार आगामी दौरे के साथ-साथ, ऑस्ट्रेलिया की पुरुष ए टीम भी सितंबर-अक्टूबर में लखनऊ और कानपुर में खेले जाने वाले दो टेस्ट मैच और तीन सीमित ओवरों के मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आयेगी। अक्टूबर-नवंबर में, दक्षिण अफ्रीका की पुरुष ए टीम भी बेंगलुरु में दो टेस्ट मैच और तीन सीमित ओवरों के मैच खेलने के लिए भारत दौरे पर आयेगी।

मुंबई, गुजरात प्लेऑफ में एक-दूसरे की कमजोरियों का फायदा उठाने उतरेगी

चंडीगढ़, 29 मई। मुंबई इंडियंस शुक्रवार को महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात टाइटंस की कमजोरियों का फायदा उठाने मैदान में उतरेगी। वहीं अपने प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति और हाल ही मिली हार से जूझ रही गुजरात टाइटंस को मैच जीतने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में लय हासिल करनी होगी। दोनों टीमों ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों और बहुमुखी प्रतिस्थापन के माध्यम से दबाव को झेलने की मुंबई इंडियंस की क्षमता उन्हें बड़े नॉकआउट मुकाबले जीतने के लिए जानी जाती है। पांच बार के आईपीएल चैंपियन मुम्बई ने इस बार उतार-चढ़ाव भरे अभियान का सामना किया है, अपने पहले चार मैचों में से तीन में हार का सामना करने के बाद आखिरी आठ में से सात में जीत हासिल की। यह मुम्बई के दबाव झेलने की क्षमता को दर्शाता है। मुम्बई इंडियंस के विदेशी स्टार रयान रिकेल्टन और विल जैक्स राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ऐसे में अनुभवी जॉनी बेयरस्टो, रोहित शर्मा और फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव के साथ फाइनल में पहुंचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चरिथ असलांका बढ़िया बल्लेबाजी के जाने जाते हैं। तिलक वर्मा की अपने पसंदीदा नंबर तीसरे स्थान पर बड़ी पारी खेलने की क्षमता है। मुंबई टीम के पास आक्रामकता और संयम का संतुलित मिश्रण है। साथ ही उसके पास मध्य क्रम में मैच-विजेता हार्दिक पांड्या और नमन धीर हैं जो महत्वपूर्ण समय पर अपनी गति से मैच बदलने में सक्षम हैं। वहीं मुम्बई इंडियंस की गेंदबाजी की बात की जाये तो जसप्रीत बुमराह मुश्किल समय में विकेट निकालने और ट्रेंट बोल्ट रफ्तार सटीकता और अनुभव से मैच में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं। चोट से वापसी के बाद से बुमराह ने 6.33 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिये हैं। मिशेल सेंटनर की स्पिन का भी शानदार प्रदर्शन रहा। इसके विपरीत गुजरात टाइटन्स लगातार दो बड़ी हार के बाद दबाव में एलिमिनेटर में पहुंचे हैं। वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गये है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे अपने विदेशी बल्लेबाज जोस बटलर के बिना प्लेऑफ में उतरने जा रहे जोकि उनकी शीर्ष बल्लेबाजी लाइनअप में एक बड़ी कमी को दर्शाता है। श्रीलंका के कुसल मेंडिस से इस कमी को पूरा करने की उम्मीद है, लेकिन उनकी बटलर जैसी विस्फोटक बल्लेबाजी नहीं है। साई सुदर्शन और शुभमन गिल भरोसेमंद रहे हैं लेकिन मध्य क्रम की स्थिरता शेरफेन रदरफोर्ड और शाहरुख खान जैसे खिलाड़ियों पर निर्भर है। हाल के प्रदर्शनों को देखते हुए यह एक कठिन मैच है। गेंदबाजी के मोर्चे पर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात टाइटन्स के स्ट्राइक हथियार बने हुए हैं, लेकिन राशिद खान और अरशद खान के ढीले स्पेल ने गुजरात की चिंता बढ़ा दी है। मुंबई की फार्म में चल रही बल्लेबाजी गुजरात की इस कमजोरी का फायदा उठाने के लिए तैयार है।

सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय बाहर

सिंगापुर, 29 मई। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल टीम ने गुरुवार को सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की

ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिंधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई। उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया।

पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं। पुरुष एकल में भी भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए।

चिराग के ऑलराउंड प्रदर्शन और सिद्धार्थ के अर्द्धशतक से नीरजा मोदी जीती

जयपुर, 29 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा, जयपुर पर खेले गये पूल-एफ के मैच में सिद्धान्त शर्मा 66 रन की अद्धर्शतकीय पारी व चिराग शर्मा 20 रन व 14 रन पर 4 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदोलत नीरजामोदी क्रिकेट एकेडमी ने एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी को 31 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर नीरजा मोदी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन मानेन्द्र सिंह व प्रद्युमन सिंह दोनों 0-0 बनाकर पहले ओवर में ही आउट हो गये लेकिन मध्य क्रम में सिद्धान्त शर्मा 66 रन (38 गेन्द. 6 चौके, 4 छक्के) विवके सैनी 26 रन, चिराग शर्मा 20 रन, सिद्धान्त जायसवाल 17 रन, मोहित जैन 14 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन बनाये, गेन्दबाजी में एस.जे. एकेडमी की ओर से कप्तान रिहान अली 22 रन पर 4. विकेट लेकर सबसे सफल गेन्दबाज रहे जबकि शुभम खण्डेलवाल 29 रन पर 2 विकेट तथा समर खान 18 रन पर 2 विकेट लेकर अन्य सफल गेन्दबाज रहे। 157 रन के विजयलक्ष्य को लेकर खेलने उत्तरी एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी की ओर से शुभम खण्डेलवाल 48 रन, दिनेश मीणा 20 रन, आफयान कुरैशी 17 रन, तथा रिहान अली 15 रन की मदद के बावजूद 19.3 ओवर में 125 रन बनाकर एस.जे. एकेडमी की पूरी टीम 125 रन पर ही सिमट गई निरजा मोदी की ओर से चिराग शर्मा 14 रन देकर 4 ओवर में 14 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेन्दबाज रहे।

हॉकी इंडिया के उप प्रधान नितिन कोहली 'आप' पार्टी में शामिल

जालंधर, 29 मई। जालंधर शहर के एक प्रमुख खेल सामान के कारोबारी और हॉकी इंडिया के उप प्रधान नितिन कोहली गुरुवार को यहां आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। प्रेस सम्मेलन में पंजाब के पार्टी प्रभारी मनीष सिसोदिया और प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने श्री नितिन कोहली का पार्टी में स्वागत किया।

फ्रेंच ओपन : बोपन्ना और बालाजी जीते, पुरुष युगल के दूसरे दौर में तीन भारतीय

नई दिल्ली, 29 मई। रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी ने रोलां गैरो पर अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारत के तीन खिलाड़ी पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंच चुके हैं। बोपन्ना और चेक गणराज्य के उनके जोड़ीदार एडम पावलासेक ने रॉबर्ट कैश और जेजे ट्रेसी की अमेरिकी की जोड़ी को बुधवार देर रात 7-6, 5-7, 6-1 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। बोपन्ना और पावलासेक ने दो घंटे और 11 मिनट चले कड़े मुकाबले में चार बार विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़ी और अपनी पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत अंक जीते।

गर्लफ्रेंड के लिए ठुकरा दिया राजकमारी का प्रपोजल, क्राउन प्रिंसेज का दिल तोड़ दिया

नई दिल्ली, 29 मई। इन दिनों स्पेन की राजकुमारी लियोनोर और फुटबॉल खिलाड़ी पाब्लो गावी सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। कहा जा रहा है कि, शाही परिवार की खूबसूरत राजकुमार का दिल फुटबॉल खिलाड़ी ने किसी अन्य लड़की के लिए तोड़ दिया।दरअसल, प्रिंसेज लियोनोर स्पेन के किंग फिलीप और क्वीन लेटिजिया की सबसे बड़ी बेटी हैं। उनका जन्म 31 अक्टूबर 2005 में हुआ था। वह स्पेन के राजसिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। खूबसूरत ऐसी कि सामने कोई बॉलीवुड और हॉलीवुड एक्स्ट्रेस भी टिके। उच्च शिक्षित। राजसी ग्रट-बाट इज्जत दौलत... सब कुछ। कहा जाता है कि वह अपनी निजी जिंदगी के बारे में लोगों को बताया या जताना पसंद नहीं करती हैं। इसलिए उनकी प्राइवेट लाइफ के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है।

वहीं गावी स्पेन के स्टार फुटबॉलर हैं। उनका पूरा नाम पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा है। वह ला लिगा क्लब बार्सिलोना और स्पेन की नेशनल टीम के लिए सेंट्रल मिडफील्डर के तौर पर खेलते हैं। 2022 में उन्होंने कोपा ट्रॉफी में गोल्डन बॉय अवॉर्ड जीता था। उनका जन्म 5 अगस्त 2004 को हुआ जिसका मतलब है कि वह प्रिंसेज लियोनोर से एक साल बड़े हैं। प्रिंसेज लियोनोर फीफा वर्ल्ड कप 2022 के दौरान फुटबॉलर गावी पर मर मिटीं। हुआ कुछ यूं कि स्पेन ने कोस्टरिका को 7-0 से हरा दिया। जिसके बाद ये अफवाह उड़ी कि किंग फिलीप ने फुटबॉलर गावी से अपनी बेटी के लिए ऑटोग्राफ वाली जर्सी देने की गुजारिश की है। उसके बाद से ही लियोनोर और गावी के बीच रिलेशनशिप की अफवाहें उड़ने लगीं।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा)
नया पावर हाउस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर - 342003
दूरभाष : 0291-2742223 फैक्स :- 0291-2746539
ई-निविदा सूचना
एसीएसआर रेबिट कंडक्टर (टी.एन.-2054) (UBN JVV2526GLOB00209), 11 केवी. पिन इंसुलेटर के लिए एम.एस. फोर्ज पिन (टी.एन.-2057) (UBN JVV2526GLOB00210), एल्युमिनियम लग्स 300 एस.क्यू.एम.एम., 185 एस.क्यू.एम.एम. एवं 120 एस.क्यू.एम.एम (टी.एन.-2060) (UBN JVV2526GSOB00211) के लिए ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं।
अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं ।
अधीक्षण अभियंता (पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)
राज.संवाद/सी/25/3267 बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर 1800 180 6045

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप, पन्नाधाय व राणा पूंजा की प्रतिमाओं का अनावरण किया

मुख्यमंत्री ने कहा, महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के माध्यम से पर्यटक इनकी शूरवीरता की गाथा साथ ले जायेंगे

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रदेश में कोच व खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी।**
- **उन्होंने भूपाल सागर स्थिल करेड़ा पार्श्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की तथा वहाँ उपस्थित संतों से आशीर्वाद लिया।**

कपासन, 29 मई(निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मेवाड़ शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की भूमि है। मेवाड़ की धरा स्वाभिमान और शौर्य की एक अमिट मिसाल है। इस भूमि पर आकर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज हैं, जिन्होंने सदैव सत्य, धर्म और राष्ट्रिहत के मार्ग पर चलना सिखाया है। नई पीढ़ी में ऐसे आदर्शों एवं संस्कारों का संचार होना चाहिए।

शर्मा गुरूवार को चित्तौड़गढ़ के भूपालसागर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा की महान विभूतियों, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, अद्वितीय बलिदान की प्रतिमूर्ति मां पन्नाधाय और वीर योद्धा राणा पूंजा की प्रतिमाओं के अनावरण का यह अवसर आज के दिन को स्वर्णाक्षरों में अंकित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने कभी किसी की अधीनता स्वीकार नहीं की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों, चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर एवं उदयपुर आदि को सम्मिलित करते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है, ताकि पर्यटक महाराणा प्रताप की शूरवीरता की गाथा अपने साथ लेकर जाएं। साथ ही, हमारी सरकार प्रदेश में कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवाड़ की धरा महाराणा प्रताप के साथ ही मां पन्नाधाय एवं राणा पूंजा की धरती है, जिन्होंने दुनिया को कर्तव्यनिष्ठा, शौर्य और अनूठे बलिदान का परिचय दिया। आज का यह दिन भी हमें त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से हमारी सभ्यता को गौरवशाली बनाने वाले वीरों की याद दिलाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भूपाल सागर स्थित करेड़ा पार्श्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की और उपस्थित संतों से आशीर्वाद भी लिया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, मां पन्नाधाय और राणा पूंजा की प्रतिमाओं का अनावरण किया। कार्यक्रम में 108 अवधेशानंद चैतन्य महाराज एवं मुंगाना धाम सांवलिया जी के अनुज दास महाराज, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम दक, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सांसद सीपी जोशी, विधायक अर्जुन लाल जीनगर, अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिरानिया के नामों को स्वीकार किया गया है। बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में वकील कोटे से नियुक्ति के लिए कुछ अन्य नाम भी विचाराधीन हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार का पद छोड़ने की घोषणा की

न्यूयॉर्क, 29 मई। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय ऑटोमोटिव और स्वच्छ ऊर्जा कंपनी टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सलाहकार के रूप में अपनी सरकारी भूमिका छोड़ने की घोषणा की है।

- **समझा जाता है कि मस्क ने ट्रम्प के ''वन, बिग ब्यूटिफुल एक्ट'' का विरोध किया था, जबकि, ट्रम्प इस बिल के बड़े समर्थक हैं, इसी विरोध के चलते मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार का पद छोड़ने की घोषणा की है।**

मस्क ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, एक विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित समय समाप्त होने वाला है। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प को बेकार खर्च को कम करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।

मस्क ने सीबीएस न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार में मंगलवार को 'वन, बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट' की आलोचना की थी। उन्होंने कर कटौती और बढ़े हुए आव्रजन प्रवर्तन के मिश्रण वाले इस कानून को 'बहुत बड़े खर्च वाला विधेयक' बताया था और कहा था कि यह संघीय घाटे को बढ़ाता है और सरकारी दक्षता विभाग के काम को कमज़ोर करता है। वहीं, ट्रम्प ने बुधवार को अपने विधेयक का बचाव करते हुए कहा, मैं इसके कुछ पहलुओं से खुश नहीं हूँ, लेकिन मैं इसके अन्य पहलुओं से रोमांचित हूँ।

प्रधानमंत्री मोदी का पटना में विशाल रोड शो

रोड शो में भारी तादाद में युवा और महिलाएं ऑपरेशन सिंदूर की तख्ती लिए हुए थे

- **रोड शो के बाद प्रधानमंत्री ने बिहार भाजपा मुख्यालय में विधानसभा चुनाव रणनीति पर प्रदेश नेताओं के साथ वार्ता की।**
- **शुक्रवार को प्रधानमंत्री बिक्रमगंज में कई सड़क एवं बिजली परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे।**

पटना, 29 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए सशस्त्र बलों के सफल ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिहार की अपनी पहली यात्रा के दौरान आज पटना में मेगा रोड शो किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुरुवार को मोदी ने बिहार की अपनी पहली यात्रा के दौरान पटना हवाईअड्डे पर नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन किया और बिहटा हवाईअड्डे के नए सिविल एन्क्लेव का शिलान्यास भी किया। पटना हवाईअड्डे के नए टर्मिनल भवन का निर्माण 1200 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है, जिससे सालाना एक करोड़ यात्रियों को सुविधा मिलेगी जबकि बिहटा हवाईअड्डे के सिविल एन्क्लेव का निर्माण 1413 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, जिससे सालाना 50 लाख यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन और नए सिविल एन्क्लेव का शिलान्यास करने के बाद पटना में रोड शो किया। उन्होंने पटना हवाईअड्डे से अपना रोड शो शुरू किया, जो वीरचंद पटेल रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मुख्यालय पर समाप्त हुआ। सड़क किनारे प्रधानमंत्री का इंतजार कर रहे बड़ी संख्या में लोगों ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया, जिनमें से अधिकांश लोगों के हाथ में तिरंगा था।

रोड शो के दौरान मोदी का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे जुटे थे, जिनमें ज्यादातर युवा थे। लोग ऑपरेशन सिंदूर लिखी तख्तियां लिए हुए थे।

मोदी ने इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में उनके साथ बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

प्रधानमंत्री आज रात पटना के राजभवन में रुकेंगे और शुक्रवार को बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री करीब 50 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली कई सड़क और बिजली परियोजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ करेंगे।

जासूसी के संदेह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्यंत चिंताजनक है। यह देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस और उसके नेताओं में भी राष्ट्रभक्ति हो।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे लोग उच्च पदों पर होते हुए भी देशहित से समझौता कर सकते हैं। मंत्री के पास कई संवेदनशील जानकारियां होती हैं, और उनके पीए को भी वह सबकुछ मालूम होता है। अगर यह निजी सचिव पाकिस्तान के संपर्क में है, तो यह जासूसी की आशंका को जन्म देता है। इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में तीन जज आज शपथ लेंगे

नयी दिल्ली, 29 मई। उच्चतम न्यायालय में तीन नये न्यायाधीश नियुक्त किये गये हैं जो शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

- **ये हैं, कर्नाटक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एन.वी. अंजारिया, गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विजय बिश्नोई और बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ए.एस. चंदुरकर।**

शीर्ष अदालत की ओर से गुरुवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार इन तीनों न्यायाधीशों को न्यायालय परिसर के प्रशासनिक खंड स्थित ऑडिटोरियम में सुबह साढे दस बजे एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी जायगी।

इससे पहले केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज ही अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में तीनों न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में केंद्र सरकार की ओर से जारी अधिसूचना की जानकारी दी थी। तीनों न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़ कर 34 हो जाएगी। शीर्ष अदालत के लिए न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या इतनी ही है।

'आतंकवादियों को हमारे हवाले करो और पीओके खाली करो'

पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की वार्ता की पेशकश पर भारत की दो टूक

- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान के बारे में हमारा रुख स्पष्ट है, पहले वे हमें कुख्यात आतंकवादी सौंपें और पीओके को खाली करने की समय सीमा दें, उसके बाद ही कोई वार्ता होगी।**

नयी दिल्ली, 29 मई। भारत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ के भारत के साथ आतंकवाद सहित हर मुद्दे पर बातचीत की खुली पेशकश पर अपना रुख और साफ करते हुए आज कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत द्वारा सौंपी गयी सूची के आधार पर आतंकवादियों को हमारे हवाले करने तथा जम्मू कश्मीर से उसके अवैध कब्जे वाला हिस्सा खाली करने के बारे में ही बात की जाएगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री द्वारा उनके विदेश दौरे के दौरान, भारत के साथ बातचीत की बार-बार की जा रही पेशकश के बारे में भारत की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा, जहाँ तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। हमारे बीच कोई भी संबंध या संपर्क द्विपक्षीय होना चाहिए। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत, एक साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। जम्मू-कश्मीर पर बातचीत इस पर होगी कि जम्मू कश्मीर के उसके अवैध कब्जे वाला इलाका पाकिस्तान खाली करके हमें कब सौंपेगा।

जायसवाल ने कहा, जहाँ तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय ढ ंग से और पूरी तरह से बंद नहीं कर देता। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

पाकिस्तान में ऑपरेशन सिन्दूर के बाद लश्करे तैयबा के आतंकवादियों द्वारा जगह-जगह जलसे करने और उनमें पाकिस्तान सरकार के नेताओं एवं सेना के अफसरों की मौजूदगी के बारे में एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों का महिमामंडन करना, माला पहना कर उनका स्वागत-सत्कार करना और उन्हें बड़े मंच प्रदान करना हमारे लिये कतई आश्चर्य की बात नहीं है। इससे यह फिर से पुष्टि होती है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को सरकार एवं सेना का समर्थन प्राप्त है।

खनन पट्टों में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अध्यक्ष की ओर से दायर एसएलपी पर राज्य सरकार को बजरी खनन पट्टा जारी करने के लिए दिशा- निर्देश जारी किए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के बाद ही नए खनन पट्टे जारी करने को कहा था। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सीईसी की एक सिफारिश को छोड़कर, अन्य सिफारिशों को तत्काल लागू करने को कहा था। इन सिफारिशों के तहत सभी वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने और बकाया व लागू करों का भुगतान करने के बाद ही बजरी खनन की अनुमति दी जा सकती है। इसके बावजूद, नए खनन पट्टे देने के दौरान इन निर्देशों की अवहेलना की जा रही है। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना देखने के लिए कमेटी गठित करने और इसकी सिफारिश पर खनन पट्टे देने के आदेश दिए हैं।

आरबीआई ने जीडीपी ग्रोथ रेट 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया

नयी दिल्ली, 29 मई। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगी और इस दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अर्थात जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरूवार को जारी 2024-25 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी, जो इसकी मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी बातों, मजबूत वित्तीय क्षेत्र और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित है। हालांकि, इसने कहा कि संरक्षणवादी उपायों के बाद वैश्विक व्यापार के बारे में अनिश्चितता, लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता विकास के दृष्टिकोण के लिए नकारात्मक जोखिम और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए सकारात्मक जोखिम पैदा करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी खपत में वृद्धि, बैंकों और कॉरपोरेट की स्वस्थ बैलेंस शीट, वित्तीय स्थितियों में सुधार और सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय पर निरंतर जोर दिए जाने से भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 के दौरान सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए तैयार है। 2025-26 के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 6.5 प्रतिशत और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

'बार-बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सशस्त्र सेनाओं के भविष्य के लिये तैयार रहने की जरुरत पर जोर देते हुये, सिंह ने कहा कि उद्योग को उत्पादन बढ़ाने में एक दशक का समय लग सकता है, लेकिन सेनाएं वर्तमान जरुरतों को पूरा किये बिना पूरी दक्षता के साथ काम नहीं कर सकतीं। सिंह ने कहा, ''(यह ठीक है कि) दस साल में हमें उद्योग से काफी आउटपुट मिलने लगेगा, लेकिन जो हमें आज चाहिये, वह तो आज ही चाहिये। हमें शीघ्रता से और मिलकर काम करने की जरुरत है। युद्ध सेनाओं को सशक्त बनाने से जीते जाते हैं।'' ''आपरेशन सिंदूर'' के तहत, पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्यवाही करने के कई सप्ताह बाद, केन्द्र ने स्वदेशी फिफ्थ जनरेशन स्टैल्थ फाइटर जैट, जो एडवान्स्ड मीडियम कॉम्बेट एयर-क्राफ्ट (एएमसीए) है, को बनाने की रुपरेखा को बुधवार को मंजूरी दे दी।

महाभियोग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे में सवाल है कि क्या जस्टिस वर्मा पर महाभियोग चलेगा? वरिष्ठ वकीलों ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है, उपराष्ट्रपति ने कानूनी पुनर्विचार का आ ान किया है और सभी की निगाहें वर्तमान मुख्य न्यायाधीश पर टिकी हैं। न्यायमूर्ति वर्मा ने अक्टूबर 2021 और अप्रैल 2025 के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय में भी सेवा दी।

राज्यसभा की आठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता, क्योंकि उसके पास चार वोट कम हैं।

असम में न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को दूसरे दलों से समर्थन मिलने का भरोसा है, इससे तीसरी पार्टी का दखल बढ़ने या अंतिम समय के कोई गठबंधन बनने की संभावना को बल मिलता है। कड़े मुकाबले को देखते हुए असम में काफी राजनैतिक उठापटक देखी जा सकती है।

राज्यसभा चुनाव के नतीजों से राज्यसभा के गणित में कोई बड़ा उलटफेर नहीं होगा, लेकिन ये नतीजे तमिलनाडु व असम में भाजपा की पकड़ की कड़ी परीक्षा होंगे। ये इन राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के समीकरणों की झलक दे सकते हैं।

'पाकिस्तान की सेना सुनियोजित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नियुक्तियों जैसे मुद्दों पर जनरलों से मतभेद के बाद, खान अब दावा करते हैं कि ''सैन्य प्रतिष्ठान ने उनकी बर्खास्तगी की साजिश रची'' और 2024 के चुनावों को ''इंजीनियर'' किया, ताकि उन्हें और उनकी पार्टी को हाशिये पर डाला जा सके।

उनका संदेश स्पष्ट है, ''जब तक सेना अपने संवैधानिक दायरे में नहीं लौटती, पाकिस्तान में असली लोकतंत्र संभव नहीं है।'' खान की आलोचना पाकिस्तान के दीर्घकालिक नागरिक-सेना असंतुलन पर गहरा प्रहार है, जहाँ जनरल्स ने तीन दशकों से अधिक समय तक सीधे शासन किया है और निर्वाचित सरकारों के दौरान भी विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था जैसे अहम मुद्दों पर वीटो पावर बनाए रखी है। उन्होंने वर्तमान सैन्य नेतृत्व, जो कथित तौर पर सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर के अधीन है, पर अदालतों को प्रभावित करने, पत्रकारों को धमकाने और

- **इमरान की वास्तविक सोच क्या है?**

राजनीतिक विरोधियों को या तो चुप कराने या दल-बदलने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। खान ने कहा, ''वे राजनीतिक दलों को तोड़ रहे हैं और जनादेश को बंदूक की नोक पर कुचल रहे हैं।''

पाकिस्तान में सेना की खुली आलोचना दुर्लभ और खतरनाक मानी जाती है। अतीत में जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर नवाज़ शरीफ तक कई नेताओं को सेना के वर्चस्व को चुनौती देने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। खान का इस रास्ते पर चलना या तो एक रणनीतिक दांव है, जिससे वे जनता की सहानुभूति फिर से जीतना चाहते हैं, या फिर यह उनके बढ़ते राजनीतिक अलगाव के बीच हताशा का संकेत है।

आलोचकों का कहना है कि खान आज सेना को उन असफलताओं को दोषी ठहरा रहे हैं, जिनसे वे पहले लाभान्वित होते थे और उनकी प्रशंसा करते थे। लाहौर के एक राजनैतिक विश्लेषक ने कहा, ''जब सेना का हस्तक्षेप उनके पक्ष में था, तब इमरान खान ने उसे और मजबूती दी। अब वे नियम बदलना चाहते हैं।''

खान की इस कटु आलोचना की नई दिल्ली भी अनदेखी नहीं करेगी। भारतीय विश्लेषक लंबे समय से पाकिस्तान की सेना को भारत-पाक संबंधों में शांति और सामान्यीकरण में सबसे बड़ी बाधा मानते हैं, खासकर कश्मीर मुद्दे को लेकर। खान की टिप्पणियाँ इस धारणा को मजबूत कर सकती हैं कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकारें केवल दिखावा हैं।

खान का यह विद्रोह उन्हें फिर से राजनीतिक मुख्यधारा में ला पाएगा या उनके और ज्यादा दमन का कारण बनेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन उनकी आवाज़ अभी भी पाकिस्तान के कुछ वर्गों, खासकर शहरी और युवा, में महत्व रखती है, जो उन्हें अभिजात्य वर्ग के खिलाफ विद्रोह का प्रतीक मानते हैं।

हाई कोर्ट ने कनिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमावत व अन्य की याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए। खंडपीठ के इस आदेश से उन अभ्यर्थियों को राहत नहीं मिल पाई है, जिन्होंने भर्ती नियमों में संशोधन के जरिए सीआईटीएस सर्टिफिकेट की अनिवार्यता को चुनौती दी थी।

याचिकाओं में कहा गया था कि वे प्रदेश के विभिन्न आईटीआई कॉलेजों में 10 से 15 साल से गेस्ट फैकल्टी पर काम कर रहे हैं। इस दौरान, राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने एक सितंबर 2023 को राजस्थान तकनीकी प्रशिक्षण अधीनस्थ सेवा नियम,1975 में संशोधन कर दिया।

इसके अलावा, राज्य सरकार ने 11 मार्च 2024 को भर्ती विज्ञापन निकाला और इसमें सीआईटीएस सर्टिफिकेट को अनिवार्य कर दिया। राज्य सरकार के भर्ती विज्ञापन और संशोधन आदेश को याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने भी सीआईटीएस सर्टिफिकेट की अनिवार्यता की है, लेकिन सेवा में लेने के तीन साल के भीतर यह प्रमाण पत्र देने की छूट का भी प्रावधान है। राज्य सरकार ने सर्टिफिकेट को अनिवार्य किया है। इसलिए उन्हें सर्टिफिकेट की अनिवार्यता से छूट दी जाए। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से एएजी विज्ञान शाह ने बताया कि केन्द्र सरकार की छूट उन मामलों के लिए है, जहां पर्याप्त संस्थाएं और अभ्यर्थी नहीं हैं, जबकि प्रदेश में यह सर्टिफिकेट कराने के लिए पर्याप्त संस्थाएं और उचित संख्या में अभ्यर्थी हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

चीन, अमेरिका को चीते की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युद्धिवराम की अपील कर रहे थे, जबकि उसी दौरान पुतिन ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए।

पुतिन ने मिसाइलों और ड्रोन से यूक्रेन के शहरों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर सबसे भीषण हमले किए। ट्रम्प को आखिरकार यह स्वीकार करना पड़ा कि जब वे युद्धिवराम की बात कर रहे थे, उस समय रूस की आक्रामकता बढ़ रही थी।

रूसी राष्ट्रपति ने ट्रम्प को तथा यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के उनके किसी भी प्रयास को पूरी तरह नजरअंदाज़ किया। वो भी तब, जबकि ट्रम्प पुतिन की भाषा में ही समाधान के सुझाव दे रहे थे, लेकिन पुतिन ने उन्हें कोई महत्व नहीं दिया। बावजूद इसके, ट्रम्प यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ैलैंस्की के बारे में अपमानजनक भाषा का उपयोग करते रहे। पुतिन नई-नई शर्तें थोपते रहे।

रूस की अवज्ञा और धोखेबाज़ी से परेशान होकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने नए प्रतिबंधों का प्रस्ताव रखा, जिनमें उन देशों को दंडित करना शामिल था, जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे थे।

इससे मुख्य रूप से भारत और चीन प्रभावित होते, जो रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार हैं, और यही तेल रूस सरकार के खर्चों का, जिसमें युद्ध भी शामिल है, प्रमुख स्रोत है। यदि तेल बिक्री पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते तो रूसी राज्य की कमर टूट सकती थी।

अन्य प्रतिबंधों में रूस को अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों के उपयोग से और अधिक वंचित करने की योजना भी थी।

अमेरिका ने अब तक विदेशों में जब्त किए गए रूसी फंड का उपयोग यूक्रेन को सहायता देने या युद्ध के लिए करने की बात भी नहीं कही थी। साथ ही यूक्रेन को दिए गए अमेरिकी हथियारों का उपयोग रुस के अंदर गहरे हमलों के लिए भी किया जाना था।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वास्तव में इनमें से किसी भी उपाय की घोषणा करने से परहेज किया है। इसके विपरीत, ओवल ऑफिस से अपनी नवीनतम प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा है कि रुस पर नए प्रतिबंध उनके द्वारा शुरु की गई शांति प्रक्रिया को खतरे में डाल सकते हैं।

यहाँ यह उल्लेख किया जा सकता है कि अपने घोषित लक्ष्यों और लक्ष्यों की कोई स्पष्ट उपलब्धि नहीं मिलने पर, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के लिए बार-बार स्वयं को श्रेय दिया है। उन्होंने बार-बार दावा किया कि उन्होंने ट्रेड के मुद्दे का इस्तेमाल किया, जिसके कारण युद्धविराम हुआ।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा इस दावे का बार-बार खंडन किया गया है।

इस प्रकार अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल की क्या उपलब्धि है, झूठ का एक पुलिंदा और विफलताओं की एक लंबी शृंखला।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908